Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 54 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, बुधवार 07 अगस्त 2024 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

जिस प्रकार अंधकार और प्रकाश दोनों इस धरती पर है, वैसे ही धर्म और अधर्म भी इस धरती पर है।

Obserrance and non-obserrance of religion both exit on this earth like light and darkness.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

संक्षिप्त समाचार

गली में खेलते-खेलते टैंक में जा गिरा 4 साल का मासूम

अहमदनगर। महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले से एक हृदयविदारक वीडियो सामने आया है। यहां एक हौद में गिरने से 4 साल बच्चे की मौत हो गई है। ये हादसा तब हुआ जब बच्चा अपनी गली में खेल रहा है और खेलते-खेलते वह हौद में जा गिरा। बच्चा जब गिरा को परिजनों व आसपास के लोगों को भनक भी नहीं लगी। काफी देर बाद जब बच्चा घर नहीं लौटा तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। काफी मशक्कत के बाद परिजनों को पता लगा कि उनका बेटा हौद में जा गिरा है। हादसे की सीसीटीवी वीडियो सामने आया है।घटना बीते दिन अहमदनगर के मुकुंद नगर इलाके की बताई जा रही है। इलाके के एक हौद में गिरकर 4 साल के समर शेख की मौत हुई है। इस हादसे का सीसीटीवी वीडियो सामने आया है। वीडियो में दिख रहा कि रविवार शाम 6 बजे बच्चा गली में खेल रहा था, इसी दौरान खेलते-खेलते वह हौद के ढक्कन पर जाकर खड़ा होता है।

भारी बारिश के कारण फल्गु नदी उफान पर, निगल ली पूरी की पूरी सड़क

जहानाबाद। देश में मानसून एक्टिव हैं, इस कारण कई राज्यों में बारिश हो रही है। इसी सिलसिले में बिहार के जहानाबाद में भी पिछले दो दिन खूब बारिश हुई। आलम यह रहा कि हर तरफ सिर्फ पानी ही पानी दिख रहा है। इस बारिश के कारण जहानाबाद में फल्गु नदी भी अपने उफान पर है। नदी अपने आस-पास के जमीनों को निगलने में लगी हुई है। इसी बीच खबर आ रही है कि पानी के तेज बहाव के कारण पूरी की पूरी सड़क को ही पानी ने निगल लिया है। जिसका एक वीडियो भी सामने आया है। पिछले दो दिनों से हुई बारिश के कारण कई नदियां उफान पर है। जिससे जहानाबाद के फल्गु नदी में अचानक बढ़े पानी के तेज बहाव में मोदनगंज प्रखंड के मिर्जापुर गांव के समीप सड़क बह गई। सड़कों के बीच में बड़े-बड़े गड्ढे बन गए। जिस कारण मिर्जापुर ,बरक्षी बिगहा गांव समेत कई गांव का संपर्क टूट गया है। इससे लोगों को काफी परेशानी झेलनी पड़ रही है। वीडियो में आप देख सकते है कि किस तरह फल्गु नदी में आयी पानी के तेज बहाव के कारण मिर्जापुर-बरछी बिगहा सड़क बह गई है।

बांग्लादेश में नहीं थम रही हिंसा

अवामीलीग के नेता के होटल में 24 लोगों को जिंदा जलाया

ढाका। एजेंसी

बांग्लादेश में रविवार को फिर से शुरू हुई हिंसा मंगलवार को भी जारी है। बांग्लादेश में एक इंडोनेशियाई नागरिक सहित कम से कम 24 लोगों को भीड़ ने जिंदा जला दिया। बांग्लादेश में हिंसा के बाद से ही लोग अवामी लीग पार्टी के एक नेता के होटल में रुके हुए थे। यह घटना ऐसे समय हुई जब पार्टी की नेता शेख हसीना प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद देश छोड़कर चली गईं हैं। स्थानीय पत्रकारों और अस्पताल सूत्रों ने मंगलवार को जानकारी दी कि सोमवार को रात करीब 1 बजे के बाद अज्ञात लोग आए और होटल को आग लगा दी, जिसमें 24 लोगों की मौत हो गई। ढाका के एक स्थानीय पत्रकार ने बताया कि मृतकों में एक इंडोनेशियाई नागरिक भी शामिल है। उन्होंने कहा कि जोशोर जनरल अस्पताल के चिकित्सकों ने पुष्टि की है कि उन्होंने 24 शव की गिनती की है, जबकि जीवित बचे होटल कर्मचारियों को डर है कि मलबे में और भी शव हो सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अवामी लीग सरकार का विरोध करने वाली उग्र भीड़ ने होटल के भूतल पर आग लगा दी और यह शीघ्र ही ऊपरी मंजिलों तक फैल गई। पूरे बांग्लादेश से लगभग एक जैसी खबरें आईं हैं और वहां गुस्साई भीड़ ने अवामी लीग के कई नेताओं और कार्यकर्ताओं के आवासों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों में एकसाथ तोड़फोड़ की। बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने मंगलवार को बांग्लादेश की संसद को भंग कर दिया। रविवार को बांग्लादेश में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन के बाद शेख हसीना ने सोमवार को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। शेख हसीना के इस्तीफे के बाद सेना ने सुरक्षा की कमान अपने हाथ में ली। मंगलवार को बांग्लादेश के राष्ट्रपति कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि संसद को भंग करने का निर्णय सशस्त्र बलों के तीनों प्रमुखों, विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं, नागरिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों और आंदोलनकारी छात्रों के नेताओं के साथ राष्ट्रपति की चर्चा के बाद लिया गया। संसद को भंग करने के राष्ट्रपति के कदम ने देश में नए सिरे से चुनाव कराये जाने का रास्ता साफ कर दिया है। बीएनपी अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया को रिहा कर दिया गया है। इसके अलावा एक जुलाई से अगस्त के बीच गिरफ्तार किये गए लोगों को रिहा करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। बांग्लादेश में हिंसा शुरू होने के बाद जेल से कई लोगों को पहले ही रिहा किया जा चुका है। राष्ट्रपति की प्रेस टीम ने कहा कि शहाबुद्दीन की अध्यक्षता में हुई बैठक में बेगम खालिदा जिया को तत्काल रिहा करने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। 78 वर्षीय जिया बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री हैं और खराब स्वास्थ्य के कारण अस्पताल में भर्ती हैं। 2018 में उन्हें भ्रष्टाचार का दोषी पाया गया था और 17 साल की जेल की सजा सुनाई गई थी।

शेख हसीना को अब तक शरण के लिए नहीं मिला ब्रिटेन से ग्रीनकार्ड; ये नियम बना बड़ी अड़चन.....

लंदन। बांग्लादेश में आरक्षण को लेकर जारी हिंसा अपने चरम पर है। शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद हुई हिंसक घटनाओं में जहां 100 से ज्यादा लोग मारे गए हैं, वहीं मरने वालों का कुल आंकड़ा 450 के करीब पहुंच गया है। फिलहाल शेख हसीना भारत में भी एक अज्ञात स्थान पर ठहरी हुई हैं। उन्होंने ब्रिटेन से पनाह मांगी है हालांकि उनके ब्रिटेन जाने पर अभी भी संशय बरकरार है। ब्रिटेन के गृह कार्यालय के सूत्रों ने संकेत दिया है कि देश के आव्रजन नियम उन व्यक्तियों को ब्रिटेन आने की अनुमति नहीं देते हैं जो वहां शरण लेने के लिए आते हैं। सूत्रों ने कहा कि इससे हसीना की यात्रा योजनाओं में कुछ अड़चन आ गई हैं। जब तक उनके ब्रिटेन जाने की स्थिति साफनहीं होती तब तक वह भारत में ही रह सकती हैं। ब्रिटेन सरकार के सूत्रों ने बताया कि ब्रिटेन के पास उन लोगों को सुरक्षा प्रदान करने का एक अच्छा रिकॉर्ड है, जिन्हें इसकी आवश्यकता है। हालांकि उनके आव्रजन नियमों के भीतर किसी को शरण या अस्थायी शरण लेने के लिए यूके की यात्रा करने की अनुमति देने का कोई प्रावधान नहीं है। रणनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि ब्रिटेन में शरण की स्थिति जटिल है। इससे पहले ब्रिटेन ने हसीना के दिवंगत पिता शेख मुजीबुर रहमान को जनवरी 1972 में पाकिस्तानी जेल से रिहाई पर शरण देने की पेशकश की थी। वहीं, इससे पहले ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी ने बांग्लादेश में जारी हिंसा पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा है कि सभी को मिलकर काम करना चाहिए और हिंसा को समाप्त करना चाहिए। डेविड लैमी ने अपील की कि बांग्लादेश हिंसा की स्वतंत्र जांच होनी चाहिए ।

बांग्लादेश के हालात पर टिप्पणी

हर तानाशाह का ऐसा अंत होना अब निश्चित है-फारूक अब्दुल्ला

नई दिल्ली/ एजेंसी

नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूख अब्दुल्ला ने बांग्लादेश के हालात पर टिप्पणी करते हुए कहा है कि हर तानाशाह का ऐसा ही अंत होता है। फारूख अब्दुल्ला ने साथ ही उम्मीद जताई है कि जम्मू-कश्मीर में तय समय पर विधानसभा चुनाव कराये जाएंगे। एएनआई को दिये विस्तृत साक्षात्कार में अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर के सुरक्षा हालात से लेकर तमाम अन्य मुद्दों पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश के हालात दर्शा रहे हैं कि यदि शेख हसीना प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देकर वहां से नहीं भागी होतीं तो प्रदर्शनकारी उन्हें मार डालते। उन्होंने जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों को लेकर कहा कि उम्मीद है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा तय की गयी सीमा के अंदर ही चुनाव करा दिये जायेंगे। उन्होंने भारतीय निर्वाचन आयोग के प्रतिनिधिमंडल के जम्मू-कश्मीर दौरे का स्वागत किया लेकिन कहा कि जम्मू-कश्मीर को उसका पूर्ण राज्य का दर्जा चुनावों से पहले लौटाया जाना चाहिए। अब्दुल्ला ने इस बात पर भी नाराजगी जताई कि चुनावों से पहले उपराज्यपाल के अधिकारों में वृद्धि कर दी गयी है। एनसी सुप्रीमो, जिन्होंने हाल ही में संपन्न चुनावों में विपक्ष की जीत को तानाशाही के खिलाफ जीत बताया है, ने कहा कि यहाँ अत्यधिक रुचि है। उनकी अर्थव्यवस्था ख़राब है, उनकी आंतरिक स्थिति भी अच्छी नहीं है। छात्रों ने एक ऐसा आंदोलन शुरू किया जिसे कोई नियंत्रित नहीं कर सका, न उनकी सेना, न कोई और, इसलिए यह एक सबक है। उन्होंने आगे कहा कि न सिर्फ बांग्लादेश के लिए बल्कि हर तानाशाह के लिए।

तीन बाइकों की आपस में भीषण टक्कर, पांच की मौत, दो घायल

हरिद्वार। जिले में लक्सर पुरकाजी हाईवे पर दो बाइकों की आमने सामने की जोरदार टक्कर हो गई। इस दौरान एक अन्य बाइक भी उनकी चपेट में आ गई। हादसे में बच्ची समेत पांच लोगों की मौत हो गई। चपेट में आई तीसरी बाइक पर सवार व्यक्ति को भी चोटें आई हैं। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पुलिस के मुताबिक बीती रात उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जनपद निवासी जीशान अपनी पत्नी शबनूर के साथ स्पलेंडर बाइक से लक्सर की ओर से मुजफ्फरनगर जा रहा था। उसकी बाइक पर उसके रिश्तेदार की दो बेटियां अलीना और इसल भी बैठी थी।

तिहाड़ जेल के बाहर भाजपा का विरोध प्रदर्शन

अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे की मांग की...

नई दिल्ली। कथित उत्पाद शुल्क नीति घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के एक मामले में सीबीआई द्वारा उनकी गिरफ्तारी को बरकरार रखने के उच्च न्यायालय के फैसले के बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे की मांग को लेकर भाजपा ने मंगलवार को तिहाड़ जेल के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। भाजपा की ओर से प्रदर्शन कर रहे नेताओं ने तिहाड़ जेल के बाहर तख्तियां लेकर नारे लगाए, जहां केजरीवाल बंद हैं। यह दावा करते हुए कि शासन और प्रशासन पंगु हो गया है, भाजपा की दिल्ली इकाई के प्रमुख वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि आदेश के बाद जेल से सरकार चलाने पर जोर देने के बजाय केजरीवाल को तुरंत पद छोड़ देना चाहिए। उन्होंने कहा कि आप सरकार का कोई भी मंत्री किसी भी मामले की जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं है।

विनेश फोगाट ने जापान की रेसलर यूई सुसुकी को हराया

विनेश फोगाट ने रचा इतिहास

पेरिस/ एजेंसी

महिला रेसलिंग के 50 किलोभार वर्ग में भारत की विनेश फोगाट ने दुनिया की नंबर 1 रेसलर जापान की यूई सुसुकी को टेक्निकल पॉइंट के आधार पर हरा दिया। विनेश ने आखिरी 15 सेकंड में बाजी को पलट दिया और मुकाबला 3-2 की बराबरी पर रहा था। जिसके बाद जापान ने स्कोर को चैलेंज किया था लेकिन इसका फैसला भारत के पक्ष में आया। इस तरह महिला रेसलिंग में भारत के लिए विनेश फोगाट ने मेडल की तरफ एक और मजबूत कदम बढ़ाया है। बता दें कि, जापानी पहलवान टोक्यो ओलंपिक की गोल्ड मेडलिस्ट थी। बाउट में उसने पहला पॉइंट भी लिया, लेकिन आखिरी पल पर विनेश फोगाट ने दंगल की तरह फिल्मी अंदाज में पटकनी देते हुए बाजी अपने नाम कर ली। उन्होंने पहले दो पॉइंट लिए, जबकि इसके बाद एक और पॉइंट मिला। इस तरह उन्होंने 3-1 से ये बाउट जीतकर क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई हैं।वहीं पहले विनेश के लिए ये बाउट मुश्किल मानी जा रही थी। क्योंकि विनेश फोगाट ने कमाल करते हुए भारत की एक और मेडल की उम्मीद को कायम रखा है। फोगाट फैमिली की बेटियों को फाइटर माना जाता है। उन्होंने पिछले दो साल में तमाम उतार-चढ़ाव देखे हैं। लंबे समय तक रेसलिंग फेडरेशन के प्रमुख रहे बीजीपे नेता बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था।

बीकानेर हाउस में धूमधाम से मनाया गया रंगारंग तीज उत्सव

नई दिल्ली। राजस्थानी तीज उत्सव 2024 में संस्कृति, परंपरा और शिल्प कौशल का भव्य आयोजन आज नई दिल्ली के पंडारा रोड स्थित बीकानेर हाउस में एक रंगारंग सांस्कृतिक संध्या के साथ शुरू हुआ। यह आयोजन एक सप्ताह तक चलने वाले रूडा क्राॅफ्ट मेले की शुरुआत है। 11 अगस्त तक चलने वाले इस मेले में राजस्थान की उत्कृष्ट कला और शिल्प कौशल का प्रदर्शन किया जाएगा। तीज उत्सव में पारंपरिक संगीत, नृत्य और राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत को उजागर करने वाले प्रदर्शन शामिल रहेंगे। इस संध्या में विशिष्ट अतिथियों और कलाकारों ने अपनी उपस्थिति और प्रदर्शन से उत्सव के माहौल को और बेहतर बना दिया।

शेख हसीना को हटाना मकसद हिंदुओं को बनाया गया निशाना

संसद में जयशंकर ने बांग्लादेश की स्थिति पर दिया बयान

नई दिल्ली/ एजेंसी

संसद का मानसून सत्र जारी है। नई सरकार गठन के बाद इस सत्र में बजट भी पेश किया गया। बजट को लेकर लगातार चर्चा जारी है। इन सब के बीच आज संसद के दोनों सदनों में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बांग्लादेश को लेकर अपना वक्तव्य दिया। आज संसद में जेपी नड्डा और टीएमसी सदस्य के बीच नोकझोंक भी देखने को मिली। वहीं, विभिन्न मुद्दों पर हुई चर्चा में भाजपा ने साफ तौर पर दावा किया कि देश नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकास के रास्ते पर बढ़ रहा है। आज लोकसभा में कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपना वक्तव्य दिया। लोकसभा में जनसंख्या नियंत्रण नीति बनाने और भारतीय चिकित्सा सेवा शुरू करने की भी मांग उठी है। चलिए आपको बताते हैं कि आज दोनों सदनों में क्या कुछ हुआ है। सरकार ने बांग्लादेश में अस्थिर हालात पर चिंता जताते हुए कहा कि वह पड़ोसी देश की स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और पिछले 24 घंटे में ढाका में अधिकारियों से पूरी तरह संपर्क रखा गया है तथा सीमा पर सुरक्षा बलों को अत्यंत सतर्कता बरतने को कहा गया है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बांग्लादेश की स्थिति पर पहले राज्यसभा में और बाद में लोकसभा में स्वत: संज्ञान लेकर दिए गए बयान में कहा कि बांग्लादेश के साथ भारत के कई दशकों से गहरे संबंध हैं। उन्होंने कहा कि वहां अस्थिरता और हिंसा वाले हालात पर यहां भी चिंता उत्पन्न हुई है।

बीमा कंपनी देर से भुगतान करेगी तो उस पर 12 प्रतिशत की पेनल्टी लगेगी जो कि सीधे किसान के खाते में डाली जाएगी : चौहान

प्राकृतिक कारणों से खराब हुई फसल पूरी तरह कवर होती है और किसानों को उसका लाभ मिलता है : शिवराज सिंह चौहान

नई दिल्ली (विश्व परिवार)। केंद्रीय मंत्री कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज लोक सभा में फसल बीमा संबंधी प्रश्नों के उत्तर देते हुए कहा कि पूर्ववर्ती फसल बीमा योजनाओं में कई तरह की कठिनाइयां थीं, पहले की सरकारों में कई सारी फसल बीमा योजनाएं थीं, अपर्याप्त दावे थे, बीमित राशि कम मिलती थी, दावों के निपटान में बिलंब होता था। किसानों और किसान संगठनों को कई तरह की आपत्तियां थीं। मुझे यह कहते हुए गर्व है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नई प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना लेकर आए। पहले, फसल बीमा के लिए 3 करोड़ 51 लाख आवेदन आते थे और अब 8 करोड़ 69 लाख आवेदन आए हैं, वहीं सकल बीमित राशि बढ़कर 2.71 लाख करोड़ रूपये से ज्यादा हो गई है। 32 हजार 404 करोड़ रु. प्रीमियम किसानों ने दिया है और इसके बदले उन्हें 1.64 लाख करोड़ रूपये क्लेम दिया गया है। केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि प्राकृतिक कारणों से अगर फसल खराब होती है तो वो भी पूरी कवर होती है और किसान को उसका लाभ मिलता है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पुरानी फसल बीमा के अनुसार, बैंक के ऋणी का बीमा आवश्यक रूप से किया जाता था और बीमे की प्रीमियम की राशि को बैंक स्वयं ही काट लेता था। सरकार ने यह विसंगति दूर कर योजना को स्वैच्छिक बना दिया है। अब तक 5 लाख 1 हजार हेक्टेयर क्षेत्र इसमें कवर हुआ है, जो 2023 में बढ़कर 5 लाख 98 हजार हेक्टेयर हो गया है, 3 करोड़ 57 लाख किसान कवर हुए हैं। सरकार ने योजना को सरल बनाने के लिए कई उपाय किए

हैं, ताकि योजनाओं का लाभ लेने में किसान को परेशानी ना हो।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री फसल बीमा के 3 अलग-अलग मॉडल हैं। केंद्र सरकार सिर्फ पॉलिसी बनाती है। राज्य सरकार जिस मॉडल को चुनना चाहे, उस मॉडल को चुनती है। मॉडल चुनने के बाद बीमा कंपनियां (निजी क्षेत्र व सार्वजनिक क्षेत्र) प्रतिस्पर्धी दरों पर फसल बीमा योजना लागू करने का काम करती है। फसल बीमा योजना हर राज्य के लिए आवश्यक नहीं है। बिहार में फसल बीमा का प्रीमियम अधिक होने के सवाल पर चौहान ने कहा कि बिहार में राज्य सरकार ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को लागू नहीं किया है। बिहार राज्य की अपनी फसल बीमा योजना है, जिसके अनुसार ही किसान को प्रीमियम देना पड़ता है।

चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना पूरे देश के हर जिले के लिए है। योजना की इकाई में पहले कभी विसंगतियां होती थी कि ब्लॉक को ही इकाई बना दिया जाता था। अब ग्राम पंचायत को इकाई बनाया गया है, ताकि ग्राम पंचायत में किसान का नुकसान हो तो किसान के नुकसान की भरपाई सही से की जा सके। पहले की योजनाओं की कमियों को दूर किया गया है। साथ ही, हर ग्राम पंचायत में कम से कम 4 क्रॉप कटिंग एक्सपेरिमेंट करना भी आवश्यक कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में नवाचार करते हुए फसल के नुकसान का आकलन रिमोट सेंसिंग के माध्यम से कम से कम 30 प्रतिशत करना अनिवार्य कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि यही कारण है कि क्लेम के भुगतान में देरी होती है। राज्य सरकार से उपज डाटा उपलब्ध होने के महीने के अन्दर दावे की गणना की जाती है। केंद्र सरकार पॉलिसी बनाती है तो उसे सही से लागू करने की जिम्मेदारी राज्य सरकार की है। उन दावों के भुगतान में देर होती है तो एक प्रावधान किया गया है कि अगर बीमा कंपनी देर करेगी तो उस पर 12 प्रतिशत की पेनल्टी लगेगी, जो कि सीधे किसान के खाते में डाली जाएगी।

उन्होंने कहा कि जब हमने बीमा भुगतान के देरी के कारणों को देखा तो 98.5 प्रतिशत कारण राज्य सरकारों द्वारा अपने हिस्से की प्रीमियम राशि को देर से जारी करना है। मैं राज्य सरकारों से निवेदन करना चाहूंगा कि वह अपनी तरफ से प्रीमियम की राशि जारी करने में देर ना करें। 99 प्रतिशत देरी इसलिए होती है कि कई बार उपज के आंकड़े देरी से प्राप्त होते हैं, कुछ मामलों में बीमा कंपनियों और राज्य सरकारों के बीच विवाद होता है, कई बार किसानों के नम्बर ग़लत होते हैं, इन कारणों से भी देरी होती है। श्री चौहान ने कहा कि हमने एक प्रावधान किया है कि राज्य के शेयर से अपने आप को डी-लिंक कर लिया है, जिससे किसान के भुगतान में देरी न हो। केंद्र सरकार अपना शेयर तुरंत जारी करती है ताकि किसानों को केंद्र के हिस्से का भुगतान मिल सके। इसी खरीफ सीजन से 12 प्रतिशत की पेनल्टी लगाकर सीधे किसान के खाते में भुगतान का काम होगा। जहां तक योजना के बारे में समिति बनाने का सवाल है, मुझे आज उसकी जरूरत महसूस नहीं होती, अगर सदस्य कोई सुझाव देना चाहे तो उनका स्वागत है।

शत्रु के साथ भी मित्रता का व्यवहार रखना चाहिए : मुनि नियमसागर जी महाराज

विदिशा। यदि कोई शत्रु भी है तो उसके साथ मित्रवत व्यव्हार करोगे तो उसकी शत्रुता भी ज्यादा दिन नहीं टिकेगी यदि पाप के अंदर नीचे खींचने की शक्ती है,तो पुण्य के अंदर भी ऊपर खींचने की शक्ती होती है, यदि सर्वाथसिद्धी तक जाना है,तो पुण्यशक्ती से ही जाया जा सकता है उपरोक्त उदगार शीतलधाम में निर्यापक श्रमण नियमसागर जी महाराज ने शीतलधाम विदिशा में व्यक्त किये। उन्होंने आत्मकल्याण की चर्चा करते हुये कहा कि हम अपने श्रद्धा ज्ञान और आचरण को विकसित करके मनोयोग, काययोग,तथा बचन योग से निर्मल होकर भगवान जिनेन्द्र देव की इस बाणी को आत्मकल्याण के लिये सुन रहे है, इस बाणी से स्वं का भी कल्याण होगा तथा पर का भी कल्याण होगा मुनि श्री ने कहा कि यदि हमारे ऊपर कोई उपकार करता है,तो हमें कृतज्ञता ज्ञापित करना चाहिये और कृतघ्नता से बचना चाहिये। यदि आप किसी को धन्यवाद भी दे रहे है और यदि विनयशीलता नहीं है तो यह कृतज्ञता नहीं है कृतघ्नता है। मुनि श्री ने कहा कि यदि कोई शत्रु भी है तो उसके साथ मित्रवत व्यव्हार करोगे तो उसकी शत्रुता भी ज्यादा दिन नहीं टिकेगी मुनि श्री कहा कि जो व्यक्ति धर्म के साथ जुड़ता है उसके अंदर शत्रुता का भाव आता ही नहीं है वह सभी से माध्यस्थ भाव रखता है। मुनि श्री ने कहा कि जब गुस्सा आता है,तो आपकी दृष्टी दूसरे के ऊपर तो जाती है लेकिन स्वं को नहीं जान पाते सास बहु की ओर देखती है बहु सास की ओर देखती है लेकिन स्वं के ऊपर देखने का कार्य नहीं होता मुनि श्री ने कहा मनुष्य जन्म मिलने का अर्थ है देवताओं से भी बड़ा उच्चजीवन मुनिश्री ने कहा मनुष्य जीवन में ही व्यक्ती अपना कल्याण कर सकता है स्वर्ग में तो लगभग दस हजार वर्ष से लेकर तेतीस सागर तक की लम्वी आयू का स्वर्ग सुख भोग कर मनुष्यगति में ही आना पड़ता है, मुनि श्री ने कहा कि अनादिकाल से जीव की दृष्टि दूसरों पर ही गयी है मनुष्य गति में सुख की आपेक्षाकृत दुःख अधिक है, आत्मसुख को बताने वाला तथा उस दुःख से छुटकारा पाने के लिये ही यह जीव गुरु की शरण में आता है, कहा भी है जिसके जीवन में गुरु नहीं उसका जीवन शुरु नहीं उन्होंने कहा कि मिथ्यात्व कर्म जो कि समस्त पापकर्म का राजा है वह हमें अंधेरे में रखकर परमार्थ सुख से वंचित रखता है मिथ्यात्व प्रकृति का जब उदय होता है,वह पर के प्रति तो दया रखता है लेकिन स्वं से बहूत दूर होता है, जिसको सम्यक् दर्शन, सम्यक् ज्ञान,सम्यक् चारित्र की प्राप्ती होती है उसकी आत्मा निराकुल होकर परमार्थ दशा को प्राप्त कर सकती है। विशुद्धि का नाम आत्मानुभूति नहीं विशुद्धि कषाय को कम करने में सहायक होती है उपरोक्त जानकारी देते हुये प्रवक्ता अविनाश जैन ने बताया मुनि श्री के प्रवचन प्रतिदिन शीतलधाम पर प्रात:8:30 से चल रहे है। बाहर से भक्त श्रद्धालुओं का प्रतिदिन आना हो रहा है।

मुस्लिम समाज ने नि:शुल्क आयुष जरा चिकित्सा शिविर का आयोजन

गोबरा नवापारा। नगर मुस्लिम समाज द्वारा सराहनीय प्रयास लोगों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए नगर में निशुल्क चिकित्सा शिविर आयुष्मान आरोग्य मन्दिर आरोग्यम परम् धनम के तहत निशुल्क आयुष जरा चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया जिसमे नगर वासियों के साथ साथ आस पास अंचल के ग्रामीण लोगों ने इस शिविर का लाभ लिया इस शिविर में 60 वर्ष से अधिक मरीजों की एचबी, शुगर, बीपी, का जांच किया गया द्य साथ ही स्नेहन स्वेदन के क्रियाओं में लम्बे समय से दर्द संबंधी समस्या दूर लोगों का हुआ वही शिविर में पंचकर्म थैरेपी क्रिया से वात व्याधि, चर्म रोग, पाचन क्रिया, मधुमेह, रक्तचाप जैसे बहुत से बीमारियों से लोगों परिक्षण का थैरेपी किया गया जिससे लोगों को इसका लाभ भी मिला इस निशुल्क आयुष जरा चिकित्सा शिविर प्रभारी डॉ.शगुप्ता कुरैशी, तोषण साहू फार्मसिस्ट, उकेश्वरी कुर्रे, धर्मेंद्र ध्रुव राजेश साहू इन सभी लोगों का विशेष योगदान रहा द्य जरा चिकित्सा शिविर के मुख्य आयोजन कर्ता के नगर मुस्लिम समाज द्वारा किया गया।

11 वें दिन राननि के भिन्न 2 वार्डो में शिविर लगाया गया

रायपुर । छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के निर्देशानुसार नगर पालिक निगम रायपुर के वार्डो में 27 जुलाई से 10 अगस्त तक जनसमस्या निवारण पखवाडा के अंतर्गत शिविरों का आयोजन प्रात: 10 बजे से 3 बजे तक लगाए जाने का सिलसिला जारी है। रायपुर नगर पालिक निगम के सभी 70 वार्डो में जनसमस्या निवारण पखवाडा अंतर्गत शिविर हेतु प्रात: 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक का समय निर्धारित किया गया है। प्रत्येक वार्ड में 1 शिविर लगाया जायेगा एवं उसमें रायपुर नगर पालिक निगम सहित विभिन्न शासकीय विभागो के अधिकारीगण जनसमस्या सुनकर उसका यथासंभव त्वरित निराकरण करने निर्धारित समयावधि में उपस्थित रहेंगे।

नगर पालिक निगम रायपुर द्वारा आज 11 वे दिन जनसमस्या निवारण पखवाडा के अंतर्गत जनसुविधा हेतु शिविर जोन 1 के संत कबीर दास वार्ड के गोगांव स्कूल, जोन 9 के शहीद पंडित विद्याचरण शुक्ल वार्ड के सामुदायिक भवन फुण्डहर चौक में जनसमस्या निवारण पखवाड़ा के अंतर्गत षिविर लगाया गया।

जनसमस्या निराकरण पखवाड़ा शिविर में नगर निगम आयुक्त श्री अबिनाष मिश्रा, अपर आयुक्त श्री विनोद पाण्डेय, संबंधित जोन कमिष्नरगण एवं कार्यपालन अभियंतागण शिविर में पहुंचे एवं रायपुर नगर पालिक निगम के विभिन्न विभागों सहित रायपुर जिला प्रशासन एवं छत्तीसगढ़ शासन के विभिन्न शासकीय विभागों के स्टालों की प्रशासनिक व्यवस्था का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के आदेशानुसार एवं उप मुख्यमंत्री नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव के निर्देशानुसार लगाए जा रहे जनसमस्या निराकरण पखवाड़ा के 11 वे दिन नगर निगम के विभिन्न 2 वार्डों में लगाये गये शिविर में नागरिकों से कुल प्राप्त 558 आवेदनों में से 439 आवेदनों का शिविर स्थल पर ही तत्काल निराकरण कर दिया गया। शेष 119 मांगों के त्वरित निदान हेतु सम्बंधित विभागों को निर्देश दिए गये। नगर निगम आयुक्त ने सभी नागरिकों से जनसमस्या निराकरण पखवाड़ा शिविर में आकर केन्द्र सरकार और छत्तीसगढ़ सरकार की सभी लोक कल्याणकारी योजनाओं का त्वरित लाभ प्राप्त करने का आव्हान किया । आयुक्त ने षिविर में प्राप्त सभी जनषिकायतो का त्वरित समाधान सुनिष्चित करने निर्देषित किया ।

आज लगाये गये भिन्न 2 वार्डो के जनसमस्या निवारण पखवाडा षिविर में पहुंचे नागरिको को आवेदन करने के मिनटो बाद तत्काल राषन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, आधार कार्ड प्रदत्त करने का सिलसिला निरंतर जारी रहा। महिलाओं ने बडी संख्या में श्रमकार्ड बनवाये जो उन्हें श्रम विभाग के स्टाल से तत्काल प्रदत्त कर दिये गये। इससे संबंधित हितग्राहियों ने त्वरित कार्यवाही कर प्रसन्नता व्यक्त कर शासन प्रषासन को धन्यवाद दिया। जोन 9 के षिविर में पहुंचे लाभांडी निवासी श्री राजेन्द्र गोस्वामी को अपना निजी कच्चा मकान को पक्का मकान में बदलने के बाद स्वस्फूर्त होकर तत्काल करारोपण के साथ निगम कर अदा करने की सुविधा षिविर स्थल पर प्राप्त हुई। इस हेतु प्रसन्न होकर उन्होने नगर निगम को धन्यवाद दिया । फुण्डहर निवासी धर्मेन्द्र साहू एवं सुनीता यादव को षिविर स्थल पर आवेदन देते ही तत्काल राषन कार्ड उपलब्ध करवा दिया गया। इस हेतु उन्होने राज्य शासन, रायपुर जिला प्रषासन , नगर निगम रायपुर को हार्दिक धन्यवाद दिया। आज के षिविर में 5 पात्र नागरिको को तत्काल राषन कार्ड बनाकर प्रदत्त किये गये। आय प्रमाण पत्र 53 नागरिको को तत्काल बनाकर दिये गये।

आयुक्त ने न्यूस्वागत विहार कालोनी दावा आपत्ति शिविर का निरीक्षण किया

रायपुर। आज रायपुर जिला कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के आदेषानुसार नगर निगम रायपुर के आयुक्त श्री अबिनाष मिश्रा ने न्यू स्वागत विहार कालोनी क्षेत्र के राज्य शासन के आदेषानुसार नियमानुसार प्रक्रिया के तहत नियमितिकरण की कार्यवाही प्रक्रिया में लगाये जा रहे 3 दिवसीय दावा आपत्ति षिविर के पहले दिन षिविर स्थल पर पहुंचकर व्यवस्था का प्रत्यक्ष अवलोकन नगर निगम के अपर आयुक्त श्री यू.एस. अग्रवाल, नगर निवेषक श्री निषीकांत वर्मा, सहायक अभियंता श्री नीतिष झा एवं अन्य संबंधित अधिकारियों की उपस्थिति में किया।

राज्य शासन के आदेषानुसार जिला प्रषासन रायपुर के मार्गदर्षन में रायपुर शहरी क्षेत्र डूंडा, न्यू स्वागत विहार कालोनी हेतु नगर निगम नगर निवेष विभाग मुख्यालय एवं निगम जोन 10 नगर निवेष विभाग की टीम की उपस्थिति में आज 6 अगस्त से 8 अगस्त तक के लिए 3 दिवसीय दावा आपत्ति षिविर प्रारंभ हुआ। आज पहले दिन नगर निगम को 149 दावा आपत्ति प्राप्त हुई। जिला प्रषासन के निर्देषानुसार दावा आपत्ति षिविर 7 व 8 अगस्त को सुबह 10 बजे से संध्या 5:30 बजे तक जारी रहेगा ।

अजा वर्ग के बेरोजगार युवक-युवतियों को नि:शुल्क प्रशिक्षण हेतु, 16 तक आवेदन आमंत्रित

बलौदाबाजार। जिले के अनुसूचित जाति वर्ग के बेरोजगार युवक- युवतियों को प्रधानमंत्री अभ्युदय योजनांतर्गत कौशल विकास के माध्यम से मशीन कम्प्यूर-सीएनसी लेथ,असिस्टेंट इलेक्ट्रीशियन घरेलु एवं उद्योग,असिस्टेंट ऑपरेटर सीएनसी, कम्प्यूटर हार्डवेयर एंड नेटवर्किंग एवं मशीन ऑपरेटर असिस्टेंट प्लास्टिक प्रोसेसिंग प्रत्येक कोर्स 3 माह का प्रशिक्षण सह नियोजन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रसायन व उर्वरक मंत्रालय भारत सरकार की संस्था एमएसएमई रसम ?ा द्वारा छ.ग. राज्य अंत्यावसायी सहकारी वित्त एवं विकास निगम के द्वारा नि:शुल्क आवासीय (जिसमें निवास, भोजन की नि:शुल्क व्यवस्था) कार्यालय जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति मर्या. दुर्ग(छ0ग0) में प्रशिक्षण दिया जाना है। प्रशिक्षण हेतु आवेदक जिले का मूल निवासी हो, परिवार की वार्षिक आय प्रमाण पत्र, शैक्षणिक योग्यता 8वी उत्तीर्ण प्रमाण पत्र, आधार कार्ड और आवेदक संबंधित जाति वर्ग का हो (तहसीलदार द्वारा जाति प्रमाण पत्र हो)। उपरोक्त पात्रता एवं शर्ते रखने वाले इच्छुक आवेदक अपना आवेदन पत्र कार्यालय जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति मर्या. बलौदाबाजार (छ.ग.) संयुक्त जिला कार्यालय प्रथम तल कक्ष क्रमांक 90 में 16 अगस्त 2024 तक कार्यालय में जमा कर सकते है।

सेन्ट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया — Central Bank of India

शाखा- फाफाडीह (छ.ग.) — Branch- Fafadih (C.G.)

कब्जा सूचना (अचल संपत्ति हेतु) परिशिष्ट IV [नियम 8(1)]

जबकि, अधोहस्ताक्षरी, जो कि **सेंट्रल बैंक आफ इंडिया** के प्राधिकृत अधिकारी हैं, ने वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन और प्रतिभूति हित का (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित उधारकर्ता एवं जमानतदार को डिमांड नोटिस की तिथि एवं राशि नीचे में दर्शायी गयी है , उक्त नोटिस की प्राप्ति की तारीख से 60 दिनों के भीतर अदा करने जारी किय गया। उधारकर्ता द्वारा उक्त राशि चुकाने में असफल होने के कारण, एतदद्वारा उधारकर्ता(ओ) / जमानतदार(ओ) को एवं जनता को सामान्य रूप से नोटिस दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरी ने प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8 के साथ पठित अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (4) के अंतर्गत उन्हें प्रदत्त् अधिकार का प्रयोग करते हुए यहां नीचे संपत्ति का कब्जा निम्नांकित दिनांक को ले लिया है। विशेष रूप से उधारकर्ता और जनसामान्य को एतद् द्वारा चेतावनी दी जाती है कि इस संपत्ति से संबंधित कोई लेन देन नहीं करें। निम्नलिखित संपत्ति से संबधित किसी भी प्रकार का लेन देन इस पर वर्णित बकाया राशि के लिये **सेंट्रल बैंक आफ इंडिया** के निर्मित प्रभार के अध्यधीन होगी।
प्रतिभूत आस्ति के मोचन के लिए उपलब्ध समय के संबंध में, उधारकर्ता का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है.

क्र.	ऋणी का नाम व पता एवं शाखा का नाम	मांग सूचना की तिथि / कब्जे की तिथि	बकाया राशि मांग सूचना तिथी के अनुसार	अचल संपत्ति का विवरण
1.	उधारकर्ता: 1) **श्रीमती शांति देवी केडिया** पति श्री के.के. केडिया 2) **श्रीमती रेणुका अग्रवाल** पति श्री रुबिन अग्रवाल, 3) **श्रीमती अंजलि केडिया** पति श्री नितिन केडिया एवं 4) **श्री रुबिन कुमार अग्रवाल** पिता श्री उदेराम अग्रवाल । सभी का सामान्य पता: डी/322, कमल कुंज, टैगोर नगर, रायपुर (छ.ग.) पिन: 492001. **शाखा- फाफाडीह**	16.05.2024 / 02.08.2024	रू. 58,08,415/- +ब्याज एवं अन्य शुल्क	श्रीमती शांति देवी केडिया पति श्री के.के. केडिया, श्रीमती अंजलि केडिया पति श्री नितिन केडिया एवं श्रीमती रेणुका केडिया पति श्री रुबिन अग्रवाल के नाम पर आरडीए स्कीम नंबर एचआईजी-II/751, सीजीएचबी, नया रायपुर टाउनशिप के अंतर्गत कैपिटल प्रोजेक्ट रायपुर, ग्राम - नवागांव / खापरी, सेक्टर - 29, नया रायपुर, तहसील एवं जिला-रायपुर (छ.ग) में क्षेत्रफल - 1998.76 वर्गफीट पर स्थित आवासीय भवन का समस्त भाग तथा अंश ।सीमाएँ :- उत्तर: सड़क, पूर्व: एचआईजी-II/750, दक्षिण: एचआईजी-II/752, पश्चिम: सड़क .

दिनांक- 07.08.2024, स्थान- रायपुर — प्राधिकृत अधिकारी, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया

एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के अंतर्गत वृक्षारोपण किया गया।

बलौदाबाजार। शासकीय दाऊ कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय बलोदाबाजार में दिनांक 06 अगस्त 2024 को राष्टीय सेवा योजना इकाई द्वारा भारत सरकार युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय ,पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय एनएसएस के निर्देशानुसार एक पेड़ मां के नाम थीम के अंतर्गत महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया गया ।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में नींम,अमरुद ,आंवला, पीपल, कटहल, नींबू ,एवं फूलदार पौधों का रोपण किया गया । सर्वप्रथम राष्टीय सेवा योजना के विद्यार्थियों के द्वारा गाजर घास का उन्मूलन किया गया , पौधा- रोपण के लिए गड्ढे बनाए गए एवं जालीदार घेरा का मरम्मत किया गया। प्राचार्य डॉ ए. आर. सी.जेम्स के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में वरिष्ठ प्रध्यापक डॉ. ए. के . उपाध्याय , डॉ. सी के चंद्रवंशी , श्री मोहनलाल वर्मा , योगेंद्र कंवर एवं एनएसएस प्रभारी नरेंद्र देव मिर्झा की उपस्थिति में वृक्षारोपण किया गया । विद्यार्थियों में पिकेश ध्रुव ,लोकेश यादव, बिंदु बंजारे, नेहा ,नागेश घृतलहरे , अजय पैकरा , पूजा यादव , मोनिका कुर्रे अमन कुमार टंडन, सरस्वती साहू, चमेली कुर्रे , तोमेश्वरी कुर्रे , सावन साहू मौजूद थे ।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)

मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./12735/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2024
रायपुर, दिनांक 05-08-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 12735
वार्ड का नाम-39-स्वामी आत्मानंद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 39 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR715F00066** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **ARJUN KUMAR PRITWANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **NEBHAMAL PRITWANI** के नाम से दर्ज, जिसको श्री/श्रीमती **रोहित प्रीतवानी** पिता/पति, **लालचंद प्रीतवानी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/**पंजीकृत दान पत्र** वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)

मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./13156/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2024
रायपुर, दिनांक 05-08-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13156
वार्ड का नाम-22-पं. ईश्वरीचरण शुक्ला वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 22 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR569F00225** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **ANANT PRABHAKAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE PRABHAKAR RAJIMWALE** के नाम से दर्ज, जिसको श्री/श्रीमती **शशिकांत तराई** पिता/पति, **चिंतामणि तराई** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/**पंजीकृत विक्रय विलेख** वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)

मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./12869/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2024
रायपुर, दिनांक 05-08-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 12869
वार्ड का नाम-39-स्वामी आत्मानंद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 39 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR715D0354B** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **KUBERCHAND DESHLAHRA पिता/पति, श्री/श्रीमती** .... के नाम से दर्ज, जिसको **श्री/श्रीमती प्रफुल्ल देशलहरा** पिता/पति, **स्व. कुबेरचंद देशलहरा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/**परिवारीक व्यवस्था, शपथ पत्र** वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)

मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./12868/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2024
रायपुर, दिनांक 05-08-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 12868
वार्ड का नाम-39-स्वामी आत्मानंद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 39 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR715D0354A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **KUBERCHAND DESHLAHRA पिता/पति,** श्री/श्रीमती .... के नाम से दर्ज, जिसको श्री/श्रीमती **प्रसन्न कुमार देशलहरा** पिता/पति, **स्व. कुबेरचंद देशलहरा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/**परिवारीक व्यवस्था, शपथ पत्र** वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)

Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 330 दिनांक 06.08.2024
वार्ड का नाम- शहीद भगत सिंह
वार्ड क्र. 24 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **24** मांग **पंजी क्र. 489 युआईडी 34735** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **शहनाज बानो/अब्दुल जब्बार डगली** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **मनोज कुमार साव/नरेश साव** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **05-09-2024** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

// आम सूचना//

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंदिर हसौद, तहसील मंदिर हसौद, जिला -रायपुर

जारी दिनांक 23/07/2024

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक **1. श्री विजय कुमार सक्सेना पिता सुरेन्द्र कुमार सक्सेना 2. दिव्या सक्सेना पति विजय कुमार सक्सेना** छ.ग. द्वारा आवेदित ग्राम **गोढ़ी** पटवारी हल्का नम्बर 16 राजस्व निरीक्षक मंडल - मंदिर हसौद स्थित भूमि जिसका खसरा नंबर **1. 1151/2 2. 1152/2 रकबा 1. 0.1050 हे. 2. 0.1115 हे.** का सीमांकर न्यायालय तहसीलदार मंदिर हसौद के आदेश दिनांक 22/07/2024 के परिपालन में दिनांक 08.08.2024 की समय 01 बजे पश्चात मेरे द्वारा किया जाना नियत है।
अत: उक्त सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को दावा आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह उक्त तिथि में पटवारी हल्का नंबर 16 के गोढ़ी में स्थित कार्यालय या राजस्व निरीक्षक कार्यालय मंदिर हसौद में दस्तावेज सहित स्वयं अथवा वैद्य अभिभासक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त मेरे द्वारा किसी प्रकार की दावा/ आपत्ति पर विचार किया जाना संभव नहीं है।

राजस्व निरीक्षक
मंदिर हसौद
मुहर

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)

मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./12867/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2024
रायपुर, दिनांक 05-08-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 12867
वार्ड का नाम-39-स्वामी आत्मानंद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 39 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR715D00354** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **KUBERCHAND DESHLAHRA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **...** के नाम से दर्ज, जिसको श्री/श्रीमती **प्रवीण देशलहरा** पिता/पति, **स्व. कुबेरचंद देशलहरा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/**परिवारीक व्यवस्था, शपथ पत्र** वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)

मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./13061/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2024
रायपुर, दिनांक 05-08-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13061
वार्ड का नाम-24-सरदार वल्लभ भाई पटेल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 24 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR818D00290** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **AJIT** पिता/पति, श्री/श्रीमती **GUHARAM SAHU** के नाम से दर्ज, जिसको श्री/श्रीमती **चिंता राम साहू** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. गुहाराम साहू** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत दान पत्र** वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)

मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./13074/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2024
रायपुर, दिनांक 05-08-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13074
वार्ड का नाम-37-तात्यापारा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 37 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR717D00086** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **DAYAL DAS** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SAHAJ RAM VASWANI** के नाम से दर्ज, जिसको श्री/श्रीमती **चंदीराम वासवानी** पिता/पति, **श्री/श्रीमती स्व. सहज राम वासवानी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत दानपात्र** वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)

Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 320 दिनांक 02.08.2024
वार्ड का नाम- ठाकुर प्यारे लाल वार्ड
वार्ड क्र. 11 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **11** मांग **पंजी क्र. 611 युआईडी 15849** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **गज्जू जोशी/मंशाराम जोशी** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **गायत्री बंजारे/ दिलेश्वरे बंजारे** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **01-09-2024** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)

Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 321 दिनांक 02.08.2024
वार्ड का नाम- मो. अब्दुल रउफ वार्ड
वार्ड क्र. 28 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **28** मांग **पंजी क्र. 246 युआईडी 25924** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **रितेश जालान/मदनलाल जालान** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **रितु जालान/रितेश जालान** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **01-09-2024** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)

Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 322 दिनांक 02.08.2024
वार्ड का नाम- माधव राव सप्रे वार्ड
वार्ड क्र. 19 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **19** मांग **पंजी क्र. 3 युआईडी 21299** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **भागवत यादव/स्व. प्रेमलाल** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **कुलदीप शर्मा/कुंदन लाल शर्मा** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **01-09-2024** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)

Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 323 दिनांक 02.08.2024
वार्ड का नाम- माधव राव सप्रे वार्ड
वार्ड क्र. 19 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **19** मांग **पंजी क्र. 14 युआईडी 21310** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **तपसी कुमार सोनी/बालेश्याम सोनी** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **कुलदीप शर्मा/कुंदन लाल शर्मा** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **01-09-2024** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)

Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 324 दिनांक 02.08.2024
वार्ड का नाम- माधव राव सप्रे वार्ड
वार्ड क्र. 19 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **19** मांग **पंजी क्र. 13 युआईडी 21309** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **तपसी कुमार सोनी/बालेश्याम सोनी** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **नागेश कुमार सोनी/तपसी कुमार सोनी** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **01-09-2024** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर बुधवार 07 अगस्त 2024

हरियाली और समृद्धि का संदेश लेकर आया हरेली का पर्व : उद्योग मंत्री देवांगन

बालकोनगर में आयोजित हरेली उत्सव कार्यक्रम में शामिल हुए मंत्री श्री देवांगन

छत्तीसगढ़ महतारी, गेड़ी की पूजा अर्चना की

कोरबा(विश्व परिवार)। बालकोनगर के रामलीला मैदान में सार्वजनिक हरेली आयोजन समिति द्वारा आयोजित हरेली कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में वाणिज्य, उद्योग और श्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन शामिल हुए। इस अवसर पर मंत्री श्री देवांगन ने कृषि औजारों और गेड़ी की पूजा कर परंपरागत रूप से हरेली त्योहार मनाया। उन्होंने छत्तीसगढ़ महतारी की पूजा-अर्चना कर अच्छी फसल और किसानों की खुशहाली व समृद्धि की कामना की। उन्होंने प्रदेश के पारंपरिक पर्व हरेली तिहार के अवसर पर आम नागरिकों को अपनी बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा है कि छत्तीसगढ़ एक कृषि प्रधान राज्य है। हरियाली अमावस्या को मनाया जाने वाला हरेली त्यौहार का छत्तीसगढ़ के जनजीवन में व्यापक प्रभाव देखा जा सकता है। इस दिन किसान भाई नांगर (हल) एवं कृषि औजार की पूजा करते है, जो हमारे कृषि प्रधान संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। वहीं दूसरी ओर देखा जाए तो हरेली पर्व का महत्व धरती को हरा-भरा बनाये रखने के लिए पेड़-पौधे की महत्ता को भी प्रदर्शित करता है। मंत्री श्री देवांगन ने आयोजक समिति को हरेली आयोजन के लिए प्रतिवर्ष 50 हजार रूपए की राशि देने की घोषणा की। उन्होंने कहा की हमारे आने वाली पीढ़ी को इस पर्व की जानकारी होने चाहिए। आप सभी के द्वारा प्रयास किया जा रहा है। इसकी जितनी भी सराहना की जाए उतनी भी कम है। मंत्री श्री देवांगन ने आयोजक समिति से आने वाले वर्ष में ओर भी भव्य तरीके से आयोजित करने के लिए प्रेरित किया।इस अवसर पर मंत्री श्री देवांगन ने सांस्कृतिक नृत्य, मटका फोड़, गेड़ी दौड़ प्रतियोगिता में शामिल होने वाले बच्चों को पुरुस्कृत कर उनका हौसला अफ्जाई किया।

ग्रामीणों पर भालू ने किया हमला

बिलासपुर(विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ में सिवनी के जंगल में लकड़ी लेने गए ग्रामीणों पर भालू ने हमला कर दिया। इससे एक ग्रामीण की मौत हो गई है। दो गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घायलों को इलाज के लिए सिम्स में रेफर किया गया है। घटना मरवाही थाना क्षेत्र अंतर्गत सिवनी बदरोड़ी ग्राम पंचायत की है। रविवार सुबह घासीराम पिता (45) निवासी सिलवारी सिवनी, संतलाल चौधरी (40) व छाबलाल गोंड (28) समेत अन्य ग्रामीण तेंदू की टहनी लेने जंगल गए थे। ग्रामीण कोकड़ा टोला बदरोड़ी के जंगलों में तेंदू की पेड़ तलाश रहे थे। तभी उनका सामना एक भालू से हो गया।मादा भालू के साथ दो शावक भी विचरण कर रहे थे। ग्रामीणों को देखकर भालू ने उन पर हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से ग्रामीणों ने भाग कर अपनी जान बचाई। इस दौरान तीन ग्रामीण भालू के हमले की शिकार हो गए। सभी के सिर में गहरी चोट आई। शरीर के अन्य हिस्सों पर जख्म हैं। घासीराम की एक आंख पूरी तरह से खराब हो गई है। वहीं, 28 वर्षीय छाबलाल ने भालू के नोचने से दम तोड़ दिया। कुछ ही देर में भालू के हमले की जानकारी गांव वालों को मिली और वे जंगल गए। ग्रामीणों को देखकर भालू जंगल की ओर भाग गया। घायलों को 108 संजीवनी एक्सप्रेस मरवाही के माध्यम से सीएचसी मरवाही लाया गया। यहां उनकी नाजुक स्थिति को देखते हुए पहले जिला अस्पताल रेफर किया गया और बाद में दोनों को उपचार के लिए सिम्स बिलासपुर भेज दिया गया है। इस घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। वन विभाग भी लगातार समझाइश देकर अभी जंगल न जाने की अपील कर रहा है।

संक्षिप्त समाचार

शासकीय शिक्षक बनाने का झांसा देकर लाखों की ठगी

बिलासपुर(विश्व परिवार)। भारतमाता हिंदी माध्यम उच्चतर माध्यमिक शाला बिलासपुर अर्द्ध शासकीय स्कूल है, जहाँ कार्यरत शिक्षकों को शासकीय अनुदान के तहत नियुक्ति दिलाने का झांसा देकर 15 लाख रुपयों की धोखाधड़ी की गई है, जिसे स्कूल की लिपिक ग्लोरिया खलखो और उनके पति पौलुस खलखो ने अंजाम दिया है, जिसकी लिखित शिकायत प्रार्थि शिक्षकों ने तारबाहर थाने में दर्ज कराई है। शिकायत में उन्होंने बताया कि भारत माता उच्चतर माध्यिमक शाला अर्द्धशासकीय है उक्त स्कूल में थॉमसन अंटोनी के अलावा अभिजीत दास, गौरव मिश्रा, मुकेश कश्यप, शिक्षक एवं स्मिता श्रीवास्तव शिक्षिका के पद पर पदस्थ है तथा माइकल अंतोनी भृत्य के पद पर पदस्थ है उक्त स्कूल में ग्लोरिया खलखो मुख्य लिपिक के पद पर कार्यरत है, ग्लोरिया खलखों के द्वारा मार्च 2022 में उन सभी लोगों को स्कूल में शासकीय अनुदान के तहत कुछ स्वीकृत पद रिक्त है तथा मेरा संस्था प्रमुख और शासन की उच्च अधिकारियों से अच्छी जान पहचान है, जिससे सेटिंग कर उक्त रिक्त पद में आप लोगों को शासकीय शिक्षक/शिक्षिका, भृत्य के पद पर नियुक्त करा दुंगी कहकर सभी लोगों से 250000/रू प्रत्येक से कुल 1500000/रू ग्लोरिया खलखो एवं उसके पति पौलुस खलखो के द्वारा लेकर धोखाधडी किया गया है, जिनके द्वारा अब पैसा वापस मांगने पर जो करना है कर लो करके बोला जा रहा है, जिससे परेशान होकर सभी ने इस धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराई है।

पत्नी की सिर कुचलकर हत्या

बिलासपुर(विश्व परिवार)। जिले के सीपत थाना क्षेत्र में रविवार को पति पत्नी के बीच विवाद के बाद पति ने पत्थर के लोढ़े से वार कर पत्नी को मौत के घाट उतार दिया है, मामले में पुलिस ने आरोपी पति को हिरासत में लेकर जांच में जुट गई है। मिली जानकारी के अनुसार सीपत थाना क्षेत्र अंतर्गत नरगोड़ा में रहने वाले टीकाराम श्रीवास(50) का विवाह लगभग 20 साल पहले ग्राम गतौरा निवासी गिरजाबाई श्रीवास से हुआ था। विवाह के बाद पति पत्नी के बीच पैसों के लेनदेन को लेकर विवाद होने लगा। जिस वजह से पिछले 12 साल से दोनों अलग रहने लगे। पति ग्राम नरगोड़ा में रहता था, वही महिला अपने दो बच्चों को लेकर बिलासपुर में किराए के मकान में रहने लगी। रविवार को हरेली पर्व के दिन महिला अपने पति से मिलने ग्राम नरगोड़ा आई हुई थी। इसी दौरान दोनों के बीच पुरानी बातों को लेकर विवाद शुरू हो गया। विवाद के दौरान दोनों के बीच हाथापाई हुई। दोपहर लगभग एक बजे पति ने पत्थर के लोढ़े से वार कर पत्नी को घायल कर दिया। मोहल्ले के लोग उनकी आवाज सुनकर घर की ओर गए। तब पति ने हत्या की घटना को अंजाम देने की बात कहीं। जहां मोहल्लेवासियों ने आरोपी टीकाराम श्रीवास को पकड़कर इस घटना की सूचना सीपत पुलिस की टीम को दी।

बीएमएस ने की पुरानी पेंशन स्कीम बहाली की मांग

कोरबा(विश्व परिवार)। भारतीय मजदूर संघ के पदाधिकारियों ने वित्तमंत्री ओ.पी. चौधरी से मुलाकात की। उन्हें कर्मचारियों की समस्या से अवगत कराया। संघ ने छत्तीसगढ़ बिजली उत्पादन में काम करने वाले कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन स्कीम की मांग की। संघ ने बताया कि वर्ष 2004 के बाद कंपनी में नियुक्त कर्मचारियों को पुरानी पेंशन स्कीम का लाभ नहीं मिल रहा है। संघ ने वित्तमंत्री को बताया कि प्रदेश में आठ से 10 साल की सर्विस के बाद लाइन परिचालक के चार हजार और फ्यूजकॉल सेंटर में काम करने वाले कर्मचारियों के सात हजार पद खाली है। संघ ने इन सभी पदों पर कर्मचारियों को नियमित करने की मांग की है। संघ ने विद्युत मंडल में रिक्त सभी पदों को भरने की मांग भी वित्तमंत्री से की है। वित्तमंत्री को अन्य क्षेत्रों में काम करने वाले मजदूरों की समस्या से भी अवगत कराया है। संघ ने कहा है कि आंगनबाड़ी केंद्रों में काम करने वाले सभी कार्यकर्ता सहायिका व स्वास्थ्य विभाग के अधीन नियोजित मितानीनों को ईएसआईसी और ईपीएफसे जोड़ा जाए।

रानीदहरा जलप्रपात में डूबे युवक का मिला शव

कवर्धा(विश्व परिवार)। बोडला विकासखंड के रानीदहरा जलप्रपात में नहाने के दौरान 21 वर्षीय युवक की डूबने से हुई लापता होने का खबर सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा था। लापता युवक डिप्टी सीएम अरुण साव का भांजा था। लापता युवक अपने 06 दोस्तो के साथ चिल्फी घाटी, सारोधा दादर, सहित रानी दहरा जलप्रपात घूमने आया था। युवक तुषार साहू, बेमेतरा जिले के नवापारा का रहने वाला था। घटना की जानकारी मिलने के बाद बोडला पुलिस मौके पर पहुंच कर रात में ही लापता युवक का तलाश में जुट गया था। रानी दहरा जलप्रपात में तीन झरना है जिसमे से दूसरे झरने में डूबने से हुई लापता हुआ था। पुलिस अधिक्षक ने बताया कि रेस्क्यू टीम ने लापता युवक का शव बरामद कर लिया है।

बिना तारपोलिन ढंके परिवहन करने वाले वाहनों पर नियमित रूप से करें कार्यवाही-कलेक्टर

अवैध रूप से सड़कों पर खड़े वाहनों एवं ओव्हर लोड गाडियों पर कार्यवाही के दिए निर्देश

रायगढ(विश्व परिवार)। कलेक्टर कार्तिकेया गोयल की अध्यक्षता में आज जिला स्तरीय टास्क फोर्स समिति की बैठक आयोजित हुई। इस दौरान उन्होंने विशेष रूप से अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन से संबंधित बिंदुओं पर विस्तार से समीक्षा की। कलेक्टर श्री गोयल ने बिना तारपोलिन ढंके खनिज परिवहन करने वाले वाहनों पर नियमित रूप से कार्यवाही करने करने के निर्देश दिए। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री दिव्यांग पटेल, डीएफओ रायगढ़ सुश्री स्टायलो मण्डावी उपस्थित रही। कलेक्टर श्री गोयल ने कहा कि बिना तारपोलिन ढंके खनिज परिवहन पर प्रभावी कार्यवाही हेतु डिस्पेज सेंटर पर नजर रखने एवं कार्यवाही के निर्देश दिए। उन्होंने सड़कों पर अवैध रूप से खड़े वाहनों एवं ओव्हर लोड गाडियों के परिवहन के संबंध में कहा कि ऐसे वाहनों के कारण दुर्घटनाओं की संभावना बनी रहती है, इस पर आरटीओ एवं खनिज विभाग तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित करें। इस दौरान उन्होंने खनिज पट्टाधारियों एवं उत्खनिपट्टा धारियों को स्वीकृत लीज क्षेत्र में ब्लास्टिंग की समीक्षा की। उन्होंने खनिज विभाग को निर्देशित किया कि ब्लास्टिंग से पूर्व सूचना देना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही ब्लास्टिंग से संबंधित विधिक प्रावधान एवं वन टाईम परमिशन के संबंध में भी जानकारी ली। कलेक्टर श्री गोयल ने वन क्षेत्र एवं वन क्षेत्र से लगे हुए क्षेत्रों में खनिज के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर रोक लगाने हेतु डीएफओ एवं खनिज विभाग को समन्वय कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने नवीन रेत खदान स्वीकृति के संबंध में चर्चा करते हुए खनिज विभाग को बारिश खत्म होने से पूर्व सभी आवश्यक कार्यवाही पूर्ण करने एवं शासन के निर्देशानुसार बारिश के तत्काल बाद रेत खदान प्रारंभ करने हेतु निर्देशित किया। इस अवसर पर एसडीएम रायगढ़ श्री प्रवीण तिवारी, एसडीएम खरसिया डॉ.प्रियंका वर्मा, खनिज अधिकारी श्री राजेश मालवे, परिवहन अधिकारी श्री अमित प्रकाश कश्यप, क्षेत्रीय पर्यावरण अधिकारी श्री अंकूर साहू, डीएसपी श्री अलिखेश कौशिक, एसडीएओ फारेस्ट श्री बाल गोविंद साहू, एसईसीएल से श्री के.सी.एस.नाथ, श्री दिनेश अहिरवार सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में चलाए जाएंगे नशा मुक्ति जन जागरूकता कार्यक्रम

अभियान के संचालन के लिए 50 वालंटियर नियुक्त किए जायेंगे

महासमुंद(विश्व परिवार)। भारत सरकार सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय नई दिल्ली द्वारा नशामुक्ति के पक्ष में सकारात्मक वातावरण विकसित करने तथा राष्ट्र को नशामुक्त बनाने के लिए नशामुक्त भारत अभियान (एनएमबीए) का संचालन जिले में किया जा रहा है। कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह के मार्गदर्शन में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में नशामुक्त भारत अभियान के बैनर तले युवाओं, बच्चों, शैक्षणिक संस्थानों, महिलाओं और जन समुदाय की भागीदारी के साथ मादक द्रव्यों के सेवन की रोकथाम करने, समय-समय पर मादक द्रव्यों के सेवन से संबंधित जागरूकता प्रचार-प्रसार कार्यक्रम, सेमीनार, रैलियां, नुक्कड़ नाटक, नशा बंदी प्रतियोगिताएं, सोशल मीडिया के द्वारा प्रचार अभियान, नशा बंदी शपथ आदि का संचालन किया जाना है। शिक्षण, प्रशिक्षण संस्थाओं के 100 मीटर की सीमा में सिगरेट आदि मादक पदार्थों के विक्रय पर प्रतिबंध का कड़ाई से पालन कराने को कहा गया। जिसके लिए कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति भी गठित की गई है। नशा मुक्ति अभियान को अपेक्षित गति प्रदान करने हेतु जिला नोडल अधिकारी की नियुक्ति के साथ ही इस अभियान में नशा मुक्ति के क्षेत्र में कार्य किए जाने हेतु कुल 50 वालिंटियर्स को नियुक्त किए जायेंगे। जिनमें एनसीसी, एनएसएस के विद्यार्थी, नेहरू युवा केंद्र के स्वयं सेवी शामिल होंगे।

सरप्लस शिक्षकों को कमी वाले स्कूलों में किया गया स्थानांरित

कोरबा(विश्व परिवार)। जिले में सरकार की ओर से संचालित किए जा रहे अलग-अलग केटेगरी के विद्यालयों को बेहतर करने के लिए कोशिश चल रही है। शिक्षा सत्र शुरू होने के बाद व्यवस्था का विश्लेषण किया जाना जारी है। शिक्षा विभाग ने रिपोर्टिंग कराने के साथ उक्त विद्यालयों में 106 सरप्लस शिक्षकों की पदस्थापना कराई है जो या तो शिक्षकविहीन थे या एकल शिक्षक थे। इससे व्यवस्था ठीक होगी और पढ़ाई ठीक होगी। जिले के पांच विकासखंड के अंतर्गत ली गई जानकारी के आधार पर इतने शिक्षक सरप्लस मिले हैं। प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों में विद्यार्थियों की दर्ज संख्या के अनुपात में पदस्थ शिक्षकों की संख्या पता की गई। इस आधार पर स्पष्ट हुआ कि 106 शिक्षक अतिशेष हैं और संबंधित संस्थाओं में इनकी उपयोगिता नहीं है बल्कि इनकी सेवाएं कहीं और ली जानी चाहिए जहां वाकय आवश्यकता है। शिक्षा विभाग ने ऐसे शिक्षकों को कमी से जूझ रहे संस्थाओं में भेजने का आदेश जारी किया है। बताया गया कि शिक्षकों की सहमति से उनकी पदस्थापना जिला शिक्षा अधिकारी तामेश्वर उपाध्याय ने की और पठन-पाठन शुरू कराने को कहा।

शासन की फ्लैगशिप योजनाओं का क्रियान्वयन प्राथमिकता - कलेक्टर

कलेक्टर लंगेह पत्रकारों से हुए रूबरू

महासमुंद(विश्व परिवार)। नवपदस्थ कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह आज मीडिया प्रतिनिधियों से रुबरु हुए। उन्होंने महासमुंद जिले में विकास की प्राथमिकताओं और मीडिया कर्मियों द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए कहा कि शासन की फ्लैगशिप योजनाओं का क्रियान्वयन प्राथमिकता में रहेगी। उन्होंने कहा कि शासन के निर्देशानुसार जिले में मूलभूत सुविधाओं के विस्तार और अन्य समस्याओं का समाधान मीडिया कर्मियों और जनता के सहयोग से किया जाएगा। कलेक्टर श्री लंगेह ने पत्रकार वार्ता में कहा कि मीडिया के माध्यम से प्राप्त होने वाली सूचनाओं को गंभीरता से लेकर निराकरण के सार्थक प्रयास किए जायेंगे। उन्होंने कहा कि कार्यालयीन समय पर आम जनता किसी भी समय पर उनसे मिल सकते हैं। श्री लंगेह ने कहा कि महासमुंद जिले में पर्यटन के क्षेत्र में असीम संभावनाएं है। विश्व प्रसिद्ध पुरातात्विक स्थल सिरपुर की विशेष पहचान है जिसके विकास के लिए और कार्य किया जाएगा। इसी तरह शिशुपाल पर्वत सहित अन्य पर्यटन स्थलों का स्थानीय संसाधन और विभागीय समन्वय के साथ विकास की दिशा में कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शिक्षा व स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी प्राथमिकता के साथ कार्य किया जाएगा। आम जनता को शासन द्वारा दी जा रही सेवाओं की सुविधा मिले यह सुनिश्चित की जाएगी।

यात्री ट्रेनों को नियमित चलाने के लिए केंद्रीय रेल मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया

कोरबा(विश्व परिवार)। जिला कांग्रेस कमेटी कोरबा द्वारा यात्री ट्रेनों की नियमित परीचालन हेतु केंद्रीय रेल मंत्री के नाम स्टेशन प्रबंधक कोरबा को ज्ञापन सौंपा गया। महापौर राजकिशोर प्रसाद ने बताया कि छत्तीसगढ़ से गुजरने वाली यात्री ट्रेनों को पिछले चार सालों से अचानक रद्द करने का सिलसिला चल पड़ा है। वर्तमान में भी 72 से अधिक ट्रेनों को राजनांदगांव कलमना रेलखंड के बीच तीसरी लाईन जोड़ने के नाम पर रद्द कर दिया गया है। खबर है 4 अगस्त से 19 अगस्त के बीच 72 यात्री ट्रेने प्रभावित रहेगी। रेलवे का यह कदम बेहद ही गैर जिम्मेदाराना और दुर्भाग्यपूर्ण है। ऐसे समय में जब देश का प्रमुख त्योहार रक्षाबंधन है, छत्तीसगढ़ का प्रमुख त्योहार हरेली है। इस समय इतनी बड़ी संख्या में यात्री ट्रेनों को रद्द किया जाना रेल यात्रियों के ऊपर अत्याचार है। रेलवे को यदि मेंटेनेंस करना था तो इसके लिये काम की समय सारणी का ऐसा प्रबंध किया जाना चाहिये जिससे यात्री सुविधायें बाधित न हो। जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती सपना चौहान ने कहा कि पिछले चार वर्षों से देश की रेल सुविधाएं पूरी तरह बर्बाद हो चुकी है। यात्री ट्रेनों की बिना कारण बताये रद्द कर दिए जाने का फरमान जारी कर दिया जाता है। छत्तीसगढ़ से गुजरने वाली सैकड़ो यात्री ट्रेनों को अनेको बार महीनो तक के लिए रद्द किया गया है। महीनो पहले यात्रा की योजना बना कर रिजर्वेशन करवाने वाले यात्री रेलवे की इस मनमानी से परेशान होते है। त्योहारों, छुट्टियों, शादी ब्याह के सीजनों मे रेल्वे बिना बताए, बिना कारण के यात्री ट्रेनों को रद्द कर देती है। रेलवे द्वारा ट्रेनों को रद्द किये जाने का कारण मेंटेनेंस बताया जाता है। जबकि उन्ही ट्रेको पर यात्री ट्रेनों से 50 गुना अधिक क्षमता की मालवाहक ट्रेनों को चलाया जाता है। छत्तीसगढ़ से निकलने वाले कोयले का परिवहन कर दूसरे प्रदेश को भेजने के लिए भी छत्तीसगढ़ की यात्री सुविधाओं को बाधित किया गया। सभापति श्याम सुंदर सोनी ने कहा कि रेल्वे द्वारा जिस प्रकार से यात्री ट्रेनों के संचालन में लगातार कोताही बरती जा रही उससे स्पष्ट हो रहा की रेल्वे यात्री सुविधाओं की अपेक्षा मालवाहक गाड़ियों को ज्यादा प्राथमिकता दे रही। यह जानबूझकर किया जाने वाला षड़यंत्र है ताकि जनमानस में रेल अलोकप्रिय हो और मोदी सरकार रेलवे को निजी हाथों विशेषकर अडानी समूह को सौप सके। रेल देश के नागरिकों की सबसे सुलभ और लोकप्रिय सुविधा है। आजादी के पहले और बाद में भी सभी सरकारों ने घाटा उठा कर भी जनहित में रेलवे का संचालन अनवरत जारी रखा। रेलवे को बेचने का कोई भी प्रयास देश की जनता के साथ धोखा है, कांग्रेस पार्टी इसका विरोध करती है। प्रदेश सचिव बी एन सिंह ने कहा कांग्रेस पार्टी मांग करती है कि केंद्र सरकार यात्री ट्रेनों को नियमित चालन की व्यवस्था सुनिश्चित करें। साथ ही यात्री सुविधाओं विकलांग, बुजुर्ग, रिटायर्ड, सैनिकों, छात्रों, बच्चों को पूर्व में मिलने वाली रियायते बहाल की जाए तथा रेलवे के निजीकरण के षड्यंत्र पर तत्काल विराम लगे।

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर बुधवार 07 अगस्त 2024

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

बजट से मैन्युफैक्चरिंग हब बनने का परिदृश्य

डा. जयंतीलाल भंडारी

नए बजट के प्रावधानों से ऐसे में जहां भारत एक ओर अधिक रणनीतिक प्रयासों से भारतीय बाजार में चीन के प्रभुत्व को कम कर सकता है, वहीं दूसरी ओर दुनिया के बाजार में उद्योग-कारोबार, निर्यात और निवेश के अधिक मौकों को मुठ्ठियों में ले सकता है। हम उम्मीद करें कि वर्ष 2024-25 के नए बजट के तहत वित्तमंत्री सीतारमण ने मैन्युफैक्चरिंग और निर्यात बढ़ाने के लिए 100 शहरों में प्लग एंड प्ले सुविधा वाले औद्योगिक पार्क और एमएसएमई को आयात घटाने व निर्यात बढ़ाने के लिए मजबूती के जो विकास कवच दिए हैं, उनसे भारत लक्ष्य के अनुरूप निर्यात बढ़ाने में सफल होगा हाल ही में 30 जुलाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय उद्योग परिसंघ के सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भारत के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को जिस तरह सुविधाओं के साथ तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है, उससे दुनिया भर के निवेशक भारत आने के लिए उत्सुक हैं। ऐसे में देश के उद्योगों को भी इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाने में पीछे नहीं रहना चाहिए। उल्लेखनीय है कि इन दिनों प्रकाशित हो रही वैश्विक आर्थिक एवं वित्तीय संगठनों की रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि 23 जुलाई को वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण के द्वारा पेश किया गया वर्ष 2024-25 का बजट उद्योगों को समृद्ध करने का बजट है। इस बजट के माध्यम से जिस तरह मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को मजबूत करते हुए आयात घटाने व निर्यात बढ़ाने के अभूतपूर्व प्रावधान किए गए हैं, उनसे भारत के नए मैन्युफैक्चरिंग हब बनने का परिदृश्य उभरकर दिखाई दे रहा है। गौरतलब है कि मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर देश से निर्यात और रोजगार सृजन दोनों में अहम योगदान देता है और इसके प्रोत्साहन के लिए इस बजट में खास ख्याल रखा गया है। इस बजट के माध्यम से औद्योगिक क्लस्टर पर फोकस किया गया है। औद्योगिक क्लस्टर उन्हें कहा जाता है, जहां पर एक ही जगह किसी आइटम के निर्माण से जुड़ी तमाम सुविधा उपलब्ध होती है, मैन्युफैक्चरिंग आसान हो जाती है और उसकी लागत भी कम हो जाती है। वित्तमंत्री ने बजट

में देश के 100 शहरों में प्लग एंड प्ले वाले औद्योगिक पार्क बनाने की घोषणा की है। केंद्र, राज्य और निजी सेक्टर की आपसी सहभागिता से प्लग एंड प्ले सुविधा वाले औद्योगिक पार्क विकसित किए जाएंगे। खास बात बात यह है कि उद्यमी को ऐसे औद्योगिक पार्क में जाकर सिर्फ उत्पादन शुरू करना होता है। मुख्य रूप से नए निर्यातकों तथा उद्यमियों को मैन्युफैक्चरिंग के प्रति आकर्षित करने के लिए प्लग एंड प्ले मॉडल लाया जाता है। उल्लेखनीय है कि निर्यात बढ़ाने के मद्देनजर चीन व अन्य देशों में वर्षों से प्लग एंड प्ले मॉडल पर मैन्युफैक्चरिंग हो रहा है और वहां कई जगहों पर उद्यमी को मशीन तक लगाने की जरूरत नहीं होती है। नए बजट के प्रावधानों के तहत 100 शहरों में प्लग एंड प्ले वाले सुविधा वाले औद्योगिक क्लस्टर या पार्क के विकसित होने से कम से कम 100 प्रकार के आइटम का बड़े पैमाने पर उत्पादन हो सकता है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि एक औद्योगिक पार्क में एक आइटम से जुड़े उत्पादन की तमाम सुविधाएं दी जा सकती हैं। गौरतलब है कि वर्ष 2024-25 के बजट में वित्तमंत्री ने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) को निर्यात बढ़ाने के मद्देनजर सशक्त बनाया है। ज्ञातव्य है कि देश के जीडीपी और निर्यात दोनों में ही 40 प्रतिशत से अधिक का योगदान देने वाले एमएसएमई को सबसे अधिक कठिनाई कर्ज लेने में ही आती है। नए बजट में सरकार ने इस समस्या को दूर करने की कोशिश की है। नए बजट में मशीनरी की खरीददारी के लिए क्रेडिट गारंटी स्कीम लांच की गई है। इस स्कीम के तहत सेल्फ फाइनेंसिंग गारंटी फंड बनाया जाएगा जिसके तहत 100 करोड़ तक के लोन की गारंटी होगी। नए बजट के प्रावधानों के तहत कर्ज लेने वाले एमएसएमई को सिर्फ अपफ्रंट गारंटी फीस देनी होगी। खास बात यह भी है कि डिजिटल ट्रांजेक्शन के आधार पर भी एमएसएमई को लोन दिए जाएंगे। बजट की घोषणा के मुताबिक बैंक एमएसएमई को डिजिटल लेन-देन के मूल्यांकन के आधार पर लोन देगा। इस व्यवस्था से उद्यमियों को कारोबार बढ़ाने के लिए आसानी से लोन मिल सकेगा। यह पाया गया है कि कारोबारी परेशानी की वजह से एमएसएमई का कारोबार कई बार दिक्कत में आ जाता है और वे बैंक के कर्ज को नहीं चुका पाते हैं। एक से अधिक किस्त नहीं चुका पाने पर धीरे-धीरे वे एनपीए घोषित होने के कगार पर आ जाते हैं। एमएसएमई को इस परेशानी से बचाने के लिए अलग से फंड बनाने की घोषणा की गई है। निश्चित रूप से नए बजट के प्रावधानों के तहत एमएसएमई के उत्पाद की गुणवत्ता बढ़ जाने पर उन्हें काफी फायदा हो सकता है। इसे ध्यान में रखते हुए खाद्य आइटम से जुड़े एमएसएमई सेक्टर में उनकी गुणवत्ता जांच को लेकर 50 यूनिट खोलने के लिए वित्तीय सहायता दी जाएगी। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि नए बजट के तहत इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को विनिर्माण बेहतर करने और मेक इन इंडिया पहलों के तहत दो महत्त्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए पिछले वर्ष के 9509 करोड़ रुपए से बढ़ाकर कुल आवंटन 21085 करोड़ रुपए किया गया है। बहुप्रचारित उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाओं के अभूतपूर्व बजट प्रावधान हैं। खिलौना, जूते, चमड़े, उद्योगों के विकास के साथ सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले के विकास का संशोधित कार्यक्रम भी प्रोत्साहित किया गया है। इसके तहत कंपनियों को देश में सिलिकॉन और कंपाउंड फैबरिकेशन (फैब), डिस्प्ले फैब, असेम्बली, टेस्टिंग, मार्किंग व पैकेजिंग (एटीएमपी), आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेम्बली और टेस्ट व डिजाइन करने के लिए विशेष प्रोत्साहन दिए गए हैं। गौरतलब है कि वर्ष 2024-25 के बजट से भारत से निर्यात बढ़ाने की संभावनाएं बढ़ गई हैं। पिछले वर्ष 2023 में जी-20 के सफल आयोजन के साथ दुनिया में यह बात उभरकर सामने आई है कि 'चीन प्लस वन' रणनीति के तहत भारत दुनिया के सक्षम व भरोसेमंद देश के रूप में वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला वाले देश के रूप में नई भूमिका निभा सकता है। दुनिया का कोई दूसरा देश इस तरह के परिचालन के पैमाने और आकार की पेशकश नहीं कर सकता, जैसा भारत में उपलब्ध है। इसके अलावा जी-20 में घोषित हुए भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक कारिडोर (आईएमईसी) के माध्यम से रेल एवं जल मार्ग से भारतीय कंपनियों के लिए नए अवसरों का ऐसा ढेर लगाया जा सकेगा, जिससे चीन की तुलना में भारत की प्रतिस्पर्धी क्षमता भी बढ़ जाएगी। नए बजट के प्रावधानों से ऐसे में जहां भारत एक ओर अधिक रणनीतिक प्रयासों से भारतीय बाजार में चीन के प्रभुत्व को कम कर सकता है, वहीं दूसरी ओर दुनिया के बाजार में उद्योग-कारोबार, निर्यात और निवेश के अधिक मौकों को मुठ्ठियों में ले सकता है। हम उम्मीद करें कि वर्ष 2024-25 के नए बजट के तहत वित्तमंत्री सीतारमण ने मैन्युफैक्चरिंग और निर्यात बढ़ाने के लिए 100 शहरों में प्लग एंड प्ले सुविधा वाले औद्योगिक पार्क और एमएसएमई को आयात घटाने व निर्यात बढ़ाने और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को नई ऊंचाई देने के लिए मजबूती के जो विकास कवच दिए हैं।

एनडीए-इण्डिया गठबंधन दोनों को मिली चेतावनी

यह दुर्भाग्य है कि सन् 2024 के लोकसभा चुनाव में दो प्रमुख पक्ष इण्डिया गठबंधन और एन.डी.ए. मतदाताओं का मन्तव्य नहीं समझ रहे हैं । जनता ने भाजपा को नकारा नहीं है, उन्हें बहुमत के करीब पहुंचा कर उन्हें फिर से सरकार बनाने का न्योता दिया है । परन्तु जनता ने बिखरे हुए इण्डिया गठबंधन को भी ताकत दी है । पिछले दिनों नीति आयोग की बैठक में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने वाक आउट किया, यह कहकर कि जब वे बोल रही थीं तो उनका माइक बंद कर दिया गया । अब इसके उत्तर में तुरंत वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि ममता जी को उनके अनुरोध पर लंच से बोलने का मौका दिया गया और सभी मुख्यमंत्रियों को बोलने का समय निर्धारित था । अब ममता स्वयं एक पार्टिसिपेंट थीं वित्त मंत्री की हैसियत से । वे आयोग की अधिकारी नहीं हैं । आयोग को ही स्पष्टीकरण देना चाहिए । असल में मोदी जी के आने के बाद योजना आयोग (प्लैनिंग कमीशन) को भंग कर दिया गया । भाजपा सुभाष बोस का गुणगान करती है । स्वयं बोस ने कहा था कि आजादी के बाद प्लानिंग कमीशन बनना चाहिए जिसके अध्यक्ष नेहरू होंगे । अब नीति का अर्थ है नेशनल इंस्टीट्यूशन फॉर ट्रान्सफॉर्मिंग इण्डिया । अब इसमें आयोग शब्द कहां से आ गया । और आयोग से सरकार को इतना ही प्यार था तो योजना आयोग को भंग ही क्यों किया गया । आज आप सरकार की नीति पर कोई टिप्पणी करें तो आप देशद्रोही हैं । हमारे शास्त्रोंमें नेति, नेति का उल्लेख है अर्थात् हम नकारते हुए सत्य तक पहुंचते हैं । योजना आयोग और नीति का उद्देश्य देश में संतुलित विकास है ताकि सभी राज्य तरक्की कर सकें । अब बजट में जो पिटारा बिहार और आंध्र प्रदेश के लिए खोला गया है, वह तो स्पष्ट रूप से एन.डी.ए. को साधना ही है । इसमें कोई बुराई भी नहीं है क्योंकि सरकार की स्थिरता देश के लिए परम आवश्यक है । असल में भाजपा अपने शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों से तो मंत्रणा होती ही रहती है । असल में भाजपा राज्यों में अधोसंरचना का विकास केन्द्र की सहमति से ही तय होता है । अत: अच्छा हो कि जिन राज्यों में विपक्ष की सरकारें हैं और उनसे प्रधानमंत्री की मंत्रणा नहीं होती उन्हें बोलने का अधिक समय दिया जाये । वैसे भी विपक्ष की ओर से केवल ममता बनर्जी ही नीति आयोग की बैठक में उपस्थित थीं । पंजाब, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना, केरल, तमिलनाडु, झारखण्ड, मिजोरम के मुख्यमंत्री आए ही नहीं । तो ममता बनर्जी को नियम का हवाला देकर उन्हें पूरा बोलने न देना, नीति (आयोग) के उद्देश्य के विपरीत है ।

विशेष लेख

नए एक्सटेंशन वाली दिशा में आगे बढ़ते मोहन यादव

प्रकाश भटनागर

किसी अच्छे काम को आगे ले जाना समझदारी है। वैसे भी मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री भले ही बदले हों लेकिन सरकार में वहीं राजनीतिक दल है जिसकी प्रदेश में जड़े बहुत गहरी जम चुकी हैं। इसलिए ऐसे में किसी काम को सिरा पकड़कर सिरे से नया तथा उल्लेखनीय रूप देना उस समझदारी में चार चांद लगाने जैसा है। मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार ने हाल ही में इस तरह की नीति और नीयत, दोनों का एक बार फिर ठोस तरीके से परिचय दिया है। प्रदेश में उज्ज्वला योजना का लाभ पा रही 46 लाख लाड़ली बहनों को गैस सिलेंडर पर सब्सिडी जारी रखी जा रही है। इस साल अगस्त में तो सभी लाड़ली बहनों को राखी के उपहार के तौर पर ढाई सौ रूपए के शगुन का लाभ भी बरकरार रखा गया है। इस बात में कोई संशय नहीं कि डा. यादव के पूर्ववर्ती शिवराज सिंह चौहान ने अपने समय में % महिला कल्याण से संभावनाओं के निर्माण' वाला अद्भुत फामूर्ला लागू कर जबरदस्त तरीके से भाजपा को सियासी लाभ दिलाया था। चौहान ने लाड़ली लक्ष्मी से लेकर लाड़ली बहना योजना तक के सफर में अनेक ऐसे पड़ाव स्थापित किए, जिनसे भाजपा को तगड़ा राजनीतिक माइलेज मिला। यही वजह रही कि जब राज्य में डा. मोहन यादव मुख्यमंत्री बने, तब मुख्य विपक्ष कांग्रेस ने सरकार पर यह कहकर ताबड़तोड़ प्रहार किए कि लाड़ली बहना योजना अब बंद की जा रही है। जाहिर है कि कांग्रेस भी इस बात को भांप चुकी थी कि यदि लोकसभा चुनाव में प्रदेश में भाजपा को कमजोर करना है, तो उसके महिलाओं से जुड़े कार्यक्रमों और लगभग भाजपा का वोट बैंक बन चुकी महिलाओं के लाभ की योजनाओं को ही टारगेट करना होगा। इस दल ने विधानसभा चुनाव से पहले भी महिलाओं को सम्मान निधि और सस्ते सिलेंडर देने की बात कहकर शिवराज की योजनाओं को काउंटर करने का प्रयास किया था। कांग्रेस दोनों ही अवसरों पर असफल रही। खासतौर से लोकसभा चुनाव में ऐसा होने की प्रमुख वजह यह कि डा. मोहन यादव ने इस दिशा में टस से मस हुए बगैर जस की तस धर दीनी चदरिया' से भी एक कदम आगे जाकर शिवराज के कार्यक्रमों को गति और प्रगति प्रदान की। लाड़ली बहना योजना तो बदस्तूर जारी है, डा. मोहन यादव ने शुरू में बताए गए और भी महिला-हितैषी निर्णयों के माध्यम से इस दिशा में नए काम शुरू कर दिए हैं। यह एक तरह से वह एक्सटेंशन भी है, जो किसी चले आ रहे' को चलते ही जाना है' वाला नवाचार भी प्रदान करता है। इसे एक उदाहरण से समझ सकते हैं। जब सरकार यह बात लागू करती है कि वह गर्भवती महिलाओं को मुफ्त सोनोग्राफी जांच की सुविधा देगी, तो यह शिवराज की जननी सुरक्षा योजना का एक ठोस तथा निर्णायक एक्सटेंशन ही कहा जाएगा। मामला निश्चित ही सियासी मुनाफे वाला है। वर्ष 2003 में उमा भारती ने प्रदेश के घरों के भीतर तक जाकर राजनीतिक मुद्दों को हवा दी। घरों में बिजली की कमी और सड़कों पर गड्ढों के ऐसे विषय प्रमुखता से उठाए, जो सीधे परिवार से जुड़ी समस्याओं को छूते हैं। दिग्विजय सिंह चुनावी मैनेजमेंट की थ्योरी में मगन रहे और उमा ने अपने ऐसे मुद्दों के जरिए कहानी घर-घर की' वाली शैली में प्रदेश की जनता के दर्द को सीधे भुना लिया। फिर शिवराज। उन्होंने घर में भी महिलाओं की शक्ति पर खास फोकस किया। नतीजा सामने है। अब डा. मोहन यादव भी इस दिशा में न सिर्फ आगे बढ़ चुके हैं, बल्कि वे नवाचार भी अपना रहे हैं। अब भले ही इसके जरिए महिला वोटरों को भाजपा से जोड़े रखने की रणनीति पर अमल किया जा रहा हो, लेकिन तुष्टिकरण और जात-पात की राजनीति से बहुत अलग यह मामला औरों के मुकाबले %अधिक साफ-सुथरा' कहा ही जा सकता है। खास बात यह भी कि डा. यादव के आधी आबादी से जुड़े ऐसे फैसले एक पूरे विश्वास को भी आकर देते दिखते हैं। वह यह कि इन कदमों से यह सन्देश और संकेत भी जाता है कि सरकार लाड़ली बहना योजना की राशि को तीन हजार रुपए प्रतिमाह करने की दिशा में भी आगे बढ़ सकती है। आखिर मामला स्त्री शक्ति को और शक्ति देकर खुद के लिए सियासी शक्ति के संचय में वृद्धि करने की कोशिश का जो ठहरा। शिवराज से लेकर डा. मोहन यादव तक को देखते हुए इस दिशा में एक और बात कही जा सकती है। वह यह कि आखिरकार काम बोलता है।

अडानीपरस्ती-इतना ज्ञान कहां से लाते हो माई-बाप

संजय पराते

सरकार अब माई-बाप है। वह कानून बनाती है, ताकि आम जनता इसके दायरे में रहे। लेकिन इस कानून को मानना या न मानना, उसकी मर्जी! इन कानूनों में भी इतने चोर दरवाजे जरूर रखे जाते हैं कि समाज का वह प्रभुत्वशाली वर्ग इसका आसानी से उल्लंघन कर सके, जिसके सहारे ये सरकार टिकी होती है। कॉर्पोरेट अडानी और मोदी साय की सरकार के बीच यही रिश्ता है, जो हसदेव के मामले में साफ-साफ दिखता है। हसदेव के स्थानीय आदिवासी समुदायों के जबरदस्त विरोध और इस विरोध को कमजोर करने के लिए प्रशासन द्वारा खनन प्रभावित गांवों की जबरदस्त घेराबंदी के बीच हसदेव अरण्य वन क्षेत्र में स्थित तीसरे कोयला ब्लॉक केते एक्सटेंशन में उत्खनन शुरू करने के लिए आज जन सुनवाई हो रही है। यह जन सुनवाई भी उस गांव में हो रही है, जो खनन प्रभावित नहीं है और उस पर्यावरण प्रभाव आंकलन रिपोर्ट के आधार पर की जा रही है, जो वर्ष 2019 की है और पर्यावरण मंत्रालय के नियमों के अनुसार ही, जिसकी कोई वैधता नहीं है। लेकिन अडानी की सेवा में मोदी-साय राज में कोई नियम-कायदे आड़े नहीं आते। उल्लेखनीय है कि हसदेव अरण्य के जंगलों को मध्य भारत का फेफड़ा कहा जाता है, जिसकी देश-दुनिया में जलवायु और पर्यावरण सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका है। कॉर्पोरेट लूट के लिए आज ये जंगल अडानी के निशाने पर है और मोदी-साय राज की पूरी ताकत अडानी के साथ खड़ी है। इसी क्रम में राज्यसभा सांसद संदीप पाठक द्वारा हसदेव अरण्य की कटाई के संबंध में पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव के जरिए मोदी सरकार ने यह नया ज्ञान बघारा है कि पर्यावरण संतुलन को बनाए रखने के लिए हसदेव में पेड़ों की कटाई जरूरी है! इसके साथ ही उन्होंने यह जानकारी भी दी है कि हसदेव में पहले ही 94,460 पेड़ काटे जा चुके हैं, जिसकी एवज में 53,40,586 पेड़ लगाए गए हैं। अब 2,73,757 पेड़ और काटे जायेंगे। (देखें : दैनिक छत्तीसगढ़, 31 अगस्त 2024) इस प्रकार, हसदेव क्षेत्र में अडानी को कोयला उत्खनन के लिए अनुमति देने के लिए इतनी कसरत की जा रही है कि पर्यावरण संतुलन के लिए ही जंगलों को खतरा बताया जा रहा है। मोदी-साय राज में अडानीपरस्ती का इससे ज्यादा हास्यास्पद उदाहरण और कुछ नहीं हो सकता। इन आंकड़ों को वैज्ञानिक शोध के आधार पर आसानी से चुनौती दी जा सकती है। भारतीय वन्य जीव संस्थान के अनुसार, हसदेव के वन क्षेत्र की सघनता प्रति हेक्टेयर 400 हैं। इसके आधार पर सरकार के इस दावे को ठुकराया जा सकता है कि चालू दो कोयला खदानों के लिए केवल 94,460 पेड़ ही काटे गए हैं। लगभग 4000 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले दो खदानों के लिए पेड़ों की कटाई की वास्तविक संख्या 16 लाख तक पहुंचती है, जबकि मोदी सरकार केवल 6ल पेड़ों की कटाई की बात ही स्वीकार कर रही है। इसी प्रकार, प्रस्तावित केते एक्सटेंशन परियोजना लगभग 1750 हेक्टेयर वन क्षेत्र में फैली हुई है, जहां पेड़ों की संख्या का वास्तविक अनुमान 7 लाख है, लेकिन सरकार केवल 2,73,757 (39.11ल) पेड़ों की कटाई की ही घोषणा कर रही है। स्पष्ट है कि वास्तविक वन विनाश को छुपाने के लिए ही पेड़ों की कटाई के फर्जी आंकड़े पेश किए जा रहे हैं। इस वन विनाश की भरपाई के लिए वृक्षारोपण के नाम पर दिए जा रहे आंकड़े भी इतने ही फर्जी है। वैज्ञानिक तरीके से एक एकड़ में अधिकतम 2000 पौधों का रोपण हो सकता है। पीईकेबी खदान के लिए पेड़ों की कटाई से हुए नुकसान के लिए जिन 53.40 लाख से अधिक पौधों को लगाने का दावा किया जा रहा है, उसके लिए न्यूनतम 2670 एकड़ (लगभग 1,168 हेक्टेयर) भूमि की जरूरत होगी। ये पेड़ कहां लगे हैं, खनन प्रभावित लोगों को नहीं मालूम। मोदी सरकार बताने के लिए तैयार नहीं, ताकि कोई स्वतंत्र एजेंसी सरकार के इस दावे की जांच पड़ताल कर सके! पौधारोपण के इसी अनुपात का पालन किया जाएं, तो केते एक्सटेंशन के लिए पेड़ों की कटाई से होने वाले पर्यावरणीय नुकसान की भरपाई के लिए इस सरकार को 1.55 करोड़ पौधे लगाने होंगे। इसके लिए कम से कम 7750 एकड़ भूमि (लगभग 3100 हेक्टेयर) की जरूरत पड़ेगी। यह भूमि कहां से आयेगी, इस पर भी सरकार मौन है। कथित वृक्षारोपण का पूरा मामला एक बड़ा गड़बड़झाला है। वैसे इस सरकार को इतना भी ज्ञान नहीं है कि पेड़ नहीं, बल्कि पौधों का रोपण होता है, जो सही देखभाल के साथ दसियों साल बाद युवा होकर फल-फूल देने वाले पेड़ बनते हैं। वन क्षेत्र प्राकृतिक होते है और इसके आधार पर बनने वाली जैव-विविधता और पर्यावरण, पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करती है। कथित वृक्षारोपण, जो दरअसल पौधा रोपण होता है, इस प्रकृति का और पेड़ों की कटाई से होने वाली पारिस्थितिकी के नुकसान की भरपाई नहीं कर सकती। हसदेव के जंगलों के विनाश के बदले किया जाने वाला कोई भी मानव निर्मित जंगल देश-दुनिया की पारिस्थितिकी को बनाने वाले फेफड़े का निर्माण नहीं कर सकता। केते एक्सटेंशन कोल ब्लॉक से निकलने वाला कोयला राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम को दिया जाएगा। राजस्थान सरकार के अनुसार, उसे अपने कोयला आधारित पावर प्लांटों को चलाने के लिए हर साल लगभग 200 लाख टन कोयले की जरूरत है। लेकिन इससे केते एक्सटेंशन कोल ब्लॉक में उत्खनन का औचित्य सिद्ध नहीं किया जा सकता, क्योंकि उसकी जरूरत वर्तमान में चल रहे दो कोयला खदानों से पूरी हो जाती है। फिर, राजस्थान सरकार जिस गति से सौर ऊर्जा परियोजनाओं को बढ़ा रही है, 6 साल बाद कोयला आधारित बिजली पर उसकी निर्भरता पूरी तरह समाप्त हो जाने वाली है। राज्यसभा में केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव का जवाब अडानी परस्ती का एक नमूना है। केते एक्सटेंशन का कोयला राजस्थान सरकार की जरूरत के लिए नहीं, बल्कि आदमी की तिजोरी के लिए जरूरी है, जिसने पिछले दस सालों में वर्तमान में चालू दो खदानों से ही 28000 करोड़ रुपयों की कोयला चोरी की है।

(टिप्पणीकार अखिल भारतीय किसान सभा से संबद्ध छत्तीसगढ़ किसान सभा के उपाध्यक्ष हैं।)

पाकिस्तान में हिन्दुओं पर ईश निंदा कानून का खतरा

विनोद

पाकिस्तान ब्यूरो आफ स्टेटिस्टिक(पीबीएस) ने पिछले दिनों आंकड़े जारी कर बताया कि पाकिस्तान में हिन्दुओं की आबादी बढ़ गई है। इस्लामिक राष्ट्र पाकिस्तान में 2017 में हिन्दुओं की आबादी 35 लाख थी जो 2023 में बढ़कर 38 लाख तक पहुंच गई। समझना होगा कि पाकिस्तान के हिन्दू बाहुल्य रेगिस्तानी इलाकों में कभी सलीके से जनगणना होती ही नहीं है, फिर वहां सिखों को अलग से गिना जाता है। सरकार की आंकड़ों को अब पाकिस्तान में निर्वाचित हिन्दू नेता ही फर्जी बता रहे हैं। समझना होगा कि एक तो पाकिस्तान में हिन्दू लड़कियों के जबरन अपहरण और धर्म परिवर्तन पर कभी कड़ी कार्रवाई होती नहीं, दूसरा वहां सरकार भी नहीं चाहती कि अल्पसंख्यकों की वास्तविक संख्या दिखाई जाए। उमरकोट के आसपास सैकड़ा भर गांव हिन्दू बाहुल्य हैं, और वहां सड़क, पानी, स्कूल जैसी सुविधाएं हैं नहीं। पाकिस्तान के बड़े संगठनों, पाकिस्तान हिन्दू काउंसिल के चेयरमैन डॉ. रमेश कुमार वांकवानी और मुतहिदा राष्ट्रीय मूवमेंट की प्रांतीय असेंबली सदस्य डॉ. मंगला शर्मा इन आंकड़ों को झूठ बताते हुए दस्तावेज प्रस्तुत कर रहे हैं कि सरकारी रिकार्ड में 2017 में हिन्दुओं की आबादी 44 लाख 44 हज़ार 870 गिनी गई थी। असलियत में आज आबादी एक करोड़ से अधिक है। अल्पसंख्यकों पर होने वाले अत्याचार और भेदभाव पर पर्दा डालने के लिए इस तरह के फर्जी आंकड़े पेश किए जा रहे हैं। पीबीसी के आंकड़े तो ईसाइयों की आबादी में सात लाख की बढ़ोतरी बता कर उनकी संख्या 33 लाख पहुंचने का दावा कर रहे हैं। वहां पारसी महज 2348 रह गए लेकिन सिखों की संख्या का खुलासा नहीं किया गया है। पाकिस्तान में 1951 में 1.60 फीसद हिन्दू आबादी थी। 1961 में 1.45 फीसद, 72 में 1.11, 1981 में 1. 85 और 2017 में 1.73 फीसद हिन्दू आबादी थी। इस साल यह आंकड़ा घट कर 1. 61 फीसद रह गया है। चूंकि बड़ी संख्या में हिंदुओं के पास राष्ट्रीय पहचान पत्र (एनआईसी) है ही नहीं, सो उनकी गणना होती नहीं वरना यह आंकड़ा एक करोड़ से अधिक होगा। देश में सबसे ज्यादा हिन्दू सिंध में, कुल आबादी का 8.73 फीसद हैं। पंजाब राज्य में 0.19, खैबर पख्तुन्बा में 0.02, बलोचिस्तान में 0.40 और इस्लामाबाद में 0.04 फीसद हिन्दू आबादी का सरकारी आंकड़ा है। राजस्थान से सटे थारपारकर जिले में सात लाख 14 हजार 698 हिन्दू रहते हैं, तो मीरपुरखास में पांच लाख के करीब, सग्घर में चार लाख 46 हजार हैं तो बदिन, हैदराबाद, टंडो मुहम्मद खान और रहीम यार खान जिलों में एक से डेढ़ लाख हिन्दू रहते हैं। यहां उमरकोट जिले की आबादी का 52.15 फीसद हिन्दू हैं और यहां के राजपूत शासक बड़े ताकतवर हैं। हिन्दू बाहुल्य इलाकों से भी कभी हिन्दू सांसद या विधायक चुने नहीं जाते क्योंकि इस आबादी के नाम ही वोटर लिस्ट में होते नहीं या उनके वोट और कोई डालता है। पाकिस्तान में धर्म परिवर्तन विरोधी कानून बनते हैं लेकिन कट्टरपंथी जमात के विरोध के चलते ठंडे बस्ते में चले जाते हैं। दो साल पहले वहां 18 साल से कम के लोगों के धर्म परिवर्तन पर पाबंदी का कानून आया लेकिन मुल्ला-मौलवियों के विरोध के चलते वापस ले लिया गया। वहां धर्म परिवर्तन को ाब अर्थात पुण्य का काम कहा जाता है और इस्लामिक कानून के तहत ऐसी पाबंदी धर्म विरोधी कह कर गवर्नर ने कानून रद्द कर दिया था। पाकिस्तान के मानवाधिकार आयोग की बीते

साल की रिपोर्ट बेशर्मी से स्वीकार करती है कि देश में हर साल अल्पसंख्यक समुदाय की कोई एक हजार लड़कियों का धर्म परिवर्तन करवाया जाता है और ये 12 से 25 साल उम्र की होती हैं। 2004 से 2018 के बीच अकेले सिंध प्रांत में 7430 हिन्दू लड़कियों के अपरहण के मामले दर्ज किए गए, कहने की जरूरत नहीं कि वहां बड़ी संख्या में मामले थाना पुलिस तक जाते ही नहीं हैं। चूंकि सिंध के बड़े जागीरदारों के यहां अधिकांश हिन्दू मजदुर हैं, और वह भी तीन-तीन पीढ़ियों से लगभग बंधुआ मजदुर की तरह, सो उनकी कोई आवाज नहीं होती। कराची शहर में हिन्दू आबादी डॉक्टर जैसे पेशे में सर्वाधिक है, तो सब्जी बेचने वाले भी अधिकांश हिन्दू हैं। पाकिस्तान का शिक्षा तंत्र सबसे जहरीला है, स्कूली किताबों में हिन्दुओं को खलनायक बताया जाता है और आजादी की लड़ाई में मुस्लिम लीग और कांग्रेस की भूमिका को हिन्दू-मुस्लिम टकराव, वहां की किताबों में देश के हिन्दुओं की वफादारी को भारत के साथ जोड़ा जाता है, वहां किसी भी किताब में किसी हिन्दू चरित्र की तारीफ की ही नहीं जाती। पाकिस्तान के संविधान के आर्टकिल 20-22 में धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लेख था लेकिन जुलाई, 1977 में जिया उल हक ने देश में माशर्ल लॉ घोषित किया और संविधान में बदलाव कर गैर-मुस्लिमों की धार्मिक स्वतंत्रता पर कई पाबंदियां लगा दीं, पाकिस्तान में राष्ट्रपति मुस्लिम ही बन सकता है और सभी उच्च पदों पर मुस्लिम आयतों के साथ शपथ लेना अनिवार्य है। इसके कारण वहां हिन्दुओं को सदैव दोयम माना जाता है। पाकिस्तान में हिन्दुओं पर सबसे बड़ा खतरा वहां का ईश निंदा कानून है जिसकी आड़ में भीड़ हिंसा में किसी को भी मार देने पर कोई खास कार्यवाही नहीं होती। हिन्दू या सनातन धर्म का कम से कम तीन हजार साल पुराना अतीत सरहद पार है-मोईन जोद्रो या हड़प्पा के रूप में और हिंगलाज और कटासराज मंदिर सहित कई प्राचीन इमारतों के रूप में, दुर्भाग्यपूर्ण है कि पाकिस्तान बनते समय मुहम्मद अली जिन्ना ने वहां धार्मिक आजादी की बात की थी लेकिन अब पाकिस्तान %जिन्ना के पाकिस्तान से जेहाद के पाकिस्तान' में तब्दील हो गया है और इसका सबसे बड़ा खमियाजा हिन्दू आबादी को उठा पड़ रहा है। जनगणना के त्रुटिपूर्ण आंकड़े एक तरफ धर्मातरण के पाप को ढंकने के काम आते हैं, तो दूसरी तरफ जिस आबादी का रिकार्ड नहीं उसके लिए मूलभूत सुविधाओं की चिंता करने की जरूरत नहीं रह जाती। भारत में नागरिकता कानून आने के बाद वहां से पलायन तेजी से हुआ है और शायद वहां की सरकार चाहती भी यही है लेकिन यह अनिवार्य है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय पाकिस्तान में हिन्दू धर्म और उससे जुड़े चिह्नों को सहेजने, हिन्दू आबादी को शैक्षिक और आर्थिक रूप से सशक्त करने के लिए पाकिस्तान सरकार पर दबाव बनाए।

विशेषज्ञ व्यक्ति वस्तु के त्रिकाल स्वरूप को समझ सकता है :मुनिश्री प्रियदर्शी विजयजी

रायपुर (विश्व परिवार)। विवेकानंद नगर स्थित श्री संभवनाथ जैन मंदिर में आत्मोल्लास चातुर्मास 2024 की प्रवचन माला जारी है। मंगलवार को रायपुर के कुलदीपक तपस्वी रत्न मुनिश्री प्रियदर्शी विजयजी म.सा. ने जीवन में विशेषज्ञता हासिल करने की कड़ी में बताया कि आचरण में द्रव्यादि के कारण धर्म -अधर्म ,गुण-दोष वगैरह को विशेषज्ञ व्यक्ति यथार्थ जान सकता है। समय,स्थान,व्यक्ति व संयोग के बदलते ही विशेषज्ञ व्यक्ति अपनी वृत्ति-प्रवृत्ति में अवश्य बदलाव लाता है। सुबह के नाश्ते मे लिए हुए द्रव्य को दोपहर के भोजन में नहीं लेता है,समय बदलते ही वृत्ति बदल जाती है।

इस तरह व्यक्ति के बाह्य व्यवहार को देखकर कभी भी उसके व्यक्तित्व के लिए अभिप्राय देने की जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए।

मुनिश्री ने कहा कि वस्तु को लेकर भी उसकी जरूरत के अनुसार वस्तु की क्वालिटी या क्वांटिटी तय करनी चाहिए, जहां क्वांटिटी की जरूरत है वहां क्वालिटी को बाजू में रख देना चाहिए। जिस तरह भूख लगने पर व्यक्ति को पांच रोटी चाहिए परंतु उसे पांच बदाम देने से काम नहीं चल सकता। विशेषज्ञ व्यक्ति वस्तु के त्रिकाल स्वरूप को समझ सकता है, इसलिए उसकी प्राप्ति या नष्ट होने पर हर्ष शोक नहीं करता। अंत में मुनिश्री ने परमात्मा की स्तवना के शब्द को आलंबन करके कहा कि परमात्मा के चरण प्राप्त हो जाने के बाद जीवन में से सारे दोष नष्ट हो जाने चाहिए और कोई भी जीव कर्म का बंधन नहीं करता।

बुद्धि से परिप[बनिए : मुनिश्री तीर्थप्रेम विजयजी

ओजस्वी प्रवचनकार मुनिश्री तीर्थप्रेम विजयजी म.सा. ने आज की प्रवचन माला में कहा कि व्यक्ति को जीवन में बुद्धि से परिपक्व होना चाहिए। जो कार्य बल से नहीं हो सकता वह बुद्धि से हो जाता है। मुनिश्री ने मगध साम्राज्य के महाराज श्रेणिक और उनके बेटे अभय कुमार की कथा से समझाया कि कैसे अभय कुमार ने अपनी बुद्धिमानी से महामंत्री का पद हासिल किया। महाराज श्रेणिक ने जब बालक अभय कुमार के बुद्धिमनी की चर्चा सुनी तो बुद्धि को परखने के लिए अभय कुमार की परीक्षा लिए। अभय कुमार ने अपनी बुद्धि की परिपक्वता से उच्च स्थान को पाया। इसीलिए जब हम दीपावली में खाता बही का पूजन करते हैं तो हम यही प्रार्थना करते हैं कि हमें बुद्धि मिले तो अभय कुमार के जैसी।

मुनिश्री ने बताया कि अभय कुमार ने सूखे कुएं में गिरी राज मुद्रिका को अपनी बुद्धि के बल से बाहर निकाला। जब सब हार गए तो अभय कुमार ने गोबर मंगवाया और गोबर को राजमुद्रिका पर डाला, उसके बाद उन्होंने लकड़ी मंगवाकर आग लगवाई जिससे गोबर कंडे में बदला,फिर अभय कुमार ने कुंए में पानी भरवाया,सभी उनके कार्य से हैरान थे लेकिन कुएं को पानी से भरवाते ही कंडा तैरता हुआ ऊपर आया और अभय कुमार ने राज मुद्रिका को बाहर निकाल लिया।

युवाओं के लिए 5 दिवसीय विशेष क्लास

मुनिश्री तीर्थप्रेम विजयजी म.सा. द्वारा विशेष क्लास जारी है। 9 अगस्त तक विशेष क्लास में युवाओं के लिए पांच सेशन- 10 रीजंस पर क्लास में वाय आई लव जैनिज्म विषय पर शिक्षा दी जा जाएगी।

सीता,मनोरमा,सोमा,अंजना की कथा सुनना चाहिए : आचार्य विशुद्ध सागर जी महाराज

नांदणी (विश्व परिवार)। जीवन के दु:ख किसी को सुनाना है,जीवन के दोष भी किसी को बताना है, तो केवल अपने गुरू को ही बताना । और अन्य किसी को बताने से कोई लाभ नही ।यहाँ तक अपने पिता को भी नहीं बताना । पत्नी को तो बिल्कुल भी नहीं बताना । माताओ बुरा नाही मानना। जो है सो है ।

जैसे माँ ममता रखती है, ऐसे पत्नी को भी अपने पती के प्रती उतनेही भाव रखना चाहिए । जैसे वो अपने पुत्र के प्रती रखती है । उसको इतना विवेक होना चाहिए । भले ही मेरा पती है । पर किसी का बेटा तो है । उसकी अंदर की बात तुम सुनकर के अपने बाहर मत करो ।

सच्ची पत्नी और सच्चे पती कौन है ?सच्ची पत्नी वो है, अपने पती की दु:ख की सुख की बातें अपने माँ को भी नहीं बताती, वो ही सच्ची पत्नी है । अगर तुम सच्चे पती हो तो अपने पत्नी की अंदर की कितनी भी बाते कैसी भी हो आप अपने बेहन और माँ को कभी भी मत बताना । जिसने अपने पत्नी की बाते बेहन को बताना सिखलिया हैं, उसका घर नष्ट हो जायेगा ।

इतिहास साक्षी है पता नहीं कौनसा ऐसा रोग है, पती की बेहन भाभी को क्यों नही चाहती है । इन बेहनों को चाहिए । अपना घर नहीं मिटाना चाहती हो तो अपने माँ के, भाई के घर को भी मत मिटाओ । ये घर सुरक्षित रहेगा । तो उनको श्रावण के महिने में राखी बांधने को मिलेगा । और खाने को मिठा भोजन मिलेगा, सन्मान मिलेगा ।

आप भाई पे जैसे प्रीती रखते हो, वैसे ही उसकी पत्नी पर भी प्रीती रखो । ये बैर छोड देना चाहिए । सासू माँ का कर्तव्य है, समयसार को समझना है तो इस बात को भी समझना पडेगा । सासू माँ का कर्तव्य है की माँ जितना तुम अपने बेटी को चाहती हो उतना ही बहू को चाहिए ।

बेटीयों को राजुल की कथा सुनना चाहिए । और शादीशुदा को सीता की कथा सुनना चाहिए । मनोरमा की कथा सुनना चाहीए । सोमा की कथा सुनना चाहिए ।अंजना की कथा सुनना चाहिए । वात्सल्य से रहो । इससे संस्कृती सुरक्षित रहे । यदि आप जैनत्व को बचाके रखना चाहते हो, संस्कृती को जीवित रखना चाहते हो, भारत की महिमा को जीवित रखना चाहते हो,तो बेटा जहाँ प्रभू का अभिषेक होता हो, मुनी को आहार दान दिये जाते हो, जिनवाणी का वाचन होता हो बेटा ऐसे घर की बिटिया ही लेके आना ।खुशहाल चाहते हो जीवन, आनंद से जिना चाहते हो, विश्वास रखना, बडों का अपमान मत करना 7 मत लढना बडो से 7 बडों को सन्मान देना सीखो 7

शब्दांकन - अभिषेक अशोक पाटील, कोल्हापूर

श्रद्धा और समर्पण की कीमत पर प्राप्त होती है भक्ति- भावलिंगी संत

दिल्ली(विश्व परिवार)। श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर कृष्णानगर दिल्ली में प्रथम बार वर्षायोग करने पधारे जिनागम पंथ प्रवर्तक, जीवन है पानी की बूँद' महाकाव्य के रचयिता या परम पूज्य भावलिंगी संत राष्ट्?योगी श्रमणाचार्य श्री 108 विमर्शरसागर जी महामुनिराज ने प्रतिदिन की भाँति आज भी अपने विश्वविख्यात जीवन है पानी की बूँद महाकाव्य भी पन्तियों से धर्मसभा की शुरुवात करते हुये कहा कि-

भक्ति तो नजराना है, प्रभु को हृदय बुलाना है।
प्रभु वन्दन प्रभु स्तुति से, सोया भाग्य जगाना है।।
भक्ति भावों में, उत्साह जगाये रे ।
जीवन है पानी की बूँद कब मिट जाय रे ।।
होनी अनहोनी, कब क्या घट जाये रे ॥
सच्चे भक्तों को ही प्रभु की भक्ति प्राप्त हो पाती है।

जो कच्चा भक्त होता है वो भगवान के निकट आकर भी उनका सानिध्य पाकर भी भक्ति की उपलब्ध नहीं हो पाता। सच्चा भक्त ही भक्ति के मूल्य को समझ पाता है। भक्ति का मूल्य श्रद्धा, और समर्पण है। अगर हम श्रद्धा और समर्पण की कीमत चुका सकते है' तो निश्चित ही हम भक्ति को उपलब्ध हो सकते है। क्योंकि जिसके हृदय में श्रद्धा और समर्पण का भाव होता है उसी के हृदय में भक्ति निवास करती है। वो ही भक्ति के सम्यक मूल्य को समझ सकता है।

भक्त के अंदर जब समर्पण का भाव होता है तो भगवान के प्रति फिर वह शिकायत का भाव नहीं रखता । भक्त कहता है जो मेरे जीवन में ङ्क प्रतिकूलता बन रही है उसमें भूल मेरी ही रही होगी अपराध मेरा ही रहा होगा। मैं ही आपके द्वारा बताये मार्ग से प्रतिकूल चला है; आपकी भक्ति से ये कर्म भी में अवश्य ही काट दूंगा।

शिव भक्ति के बल पर मिला पंडित प्रदीप मिश्रा के शिव महापुराण कथा का सौभाग्य - देवांगन

गोबरा नवापारा। अंतर्राष्ट्रीय कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा सीहोर वाले की शिव महापुराण कथा का आयोजन ग्राम गनौद में आयोजित किया जा रहा है जिसे लेकर श्री शंभू सेवा समिति के पास 6 दिन शेष बचे हैं वही सीहोर से आए डेम निर्माण करने वाले मजदूरों ने बताया कि बारिश की वजह से तोड़ी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है वैसे 10 अगस्त तक तैयारी पूरी कर ली जाएगी द्य वही 7 हजार वर्ग फिट के 3 बड़े बड़े डोम 200 मजदूर इस कार्य को करने में लगे हुए हैं वही पूरे 45 से 50 एकड़ जमीन पर श्रद्धालुओं के कथा श्रवण बैठ कर करने की व्यवस्था की जा रही है द्य कथा स्थल से 2 किलो मीटर पहले ही पार्किंग व्यवस्था की जाएगी वही वीआईपी पास वाहन ही कथा स्थल पर पहुंच सकते हैं द्य कथा के मुख्य आयोजन कर्ता राकेश देवांगन ने बताया कि कथा को लेकर 2018 से अपने गुरु देव यानि पण्डित प्रदीप मिश्रा जी के सीहोर धाम में जा कर क्षेत्र और प्रदेश की समृद्धि की कामना के लिए लगे हुए थे साथ ही उन्होंने बताया कि बाबा से विनती किया था कि बाबा मेरे को उस लायक बना दो की अपने क्षेत्र में शिव भक्ति की कथा करा सकू और उसी भक्ति के बल पर ही कथा करवाने का सौभाग्य मिला है जिसमे क्षेत्र के साथ साथ प्रदेश के विभिन्न शिव भक्तों और विभिन्न ग्राम पंचायत के लोगों के सहयोग से यह विशाल भव्य आयोजन किया जा रहा है ।

विद्यार्थियों ने श्रावण मास के अवसर पर निकाला गया कांवर यात्रा

रायपुर। आज सरस्वती शिशु मंदिर टिकरापारा में श्रावण मास के अवसर पर सरस्वती शिशु मंदिर टिकरापारा से विद्यालयीन छात्र छात्राओं द्वारा सरस्वती शिशु मंदिर टिकरापारा से नीलकंठेश्वर धाम न्यू बस स्टैंड तक कांवर यात्रा निकाली गई। इस अवसर पर विद्यालय की शिक्षिकाओं तथा विद्यार्थियों द्वारा भगवान भोलेनाथ जलाभिषेक तथा पूजा अर्चना की गई। कांवर यात्रा ने प्रमुख रुप से पीयूष जैन मनोकानमा हनुमान मंदिर के पंडित लक्ष्मी नारायण शर्मा शाला की प्रधानाचार्या श्रीमती हेमलता यादव तुलसी श्रीवास सरोजनी यदु उषा निषाद भूमिका साहू आरती गोस्वामी अमिता यादव माधुरी सेन सुनीता यादव आदि उपस्थित थे

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कालोनी, मोवा, रायपुर
E-mail ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /12064/ न.पा.नि./जोन क्र.-9/2024
रायपुर, दिनांक 05-08-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 12064
वार्ड का नाम- 9 - डॉ भीमराव अम्बेडकर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 9 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR227P0249A जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती SANDHYA DEWANGAN पिता/पति, श्री/श्रीमती SHIVANI DEWANGAN के नाम से दर्ज, जिसको श्री/श्रीमती KANCHAN SHUKLA पिता/पति, श्री/श्रीमती AJAY SHUKLA ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /13539/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2024
रायपुर, दिनांक 06-08-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13539
वार्ड का नाम- 69 - माधव राव सप्रे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 69 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR568C0190B जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती RAJESH KUMAR SINHA पिता/पति, श्री/श्रीमती SHYAM KRISHNA SINHA के नाम से दर्ज, जिसको श्री/श्रीमती GOVIND KUMAR VERMA पिता/पति, श्री/श्रीमती ARJUN SINGH ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अरूण ध्रुव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./13596/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2024
रायपुर दिनांक : 06-08-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13596
वार्ड का नाम- 28- शहीद हेमु कालाणी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 28 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- RPR223O00097 जो कि निगम अभिलेख में **श्री/श्रीमती** SAROJ DEVI पिता/पति, श्री/श्रीमती W/O NARESH KUMAR VERMA के नाम से दर्ज है, जिसको **श्री/श्रीमती श्रीमती हरसीदा वखारीया** पिता/पति, श्री/श्रीमती **पति - श्री महेश कुमार वखारिया** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के.डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 2
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./12850/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2024
रायपुर, दिनांक 05-08-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 12850
वार्ड का नाम-25-संत रामदास वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 25 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR818F00046 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती ANUSUIYA BAI पिता/पति, श्री/श्रीमती.... के नाम से दर्ज, जिसको श्री/श्रीमती **मोहन लाल साहू** पिता/पति, **श्री/श्रीमती स्व. अंकत राम साहू** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ ....वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र राज. परि., नवा रायपुर
प्रथम एवं पंचम तल व्यवसायिक परिसर (दक्षिण पूर्व कार्नर) सेक्टर-27 नवा रायपुर, अटल नगर
फोन नं.-0771-4016094
E-mail id:- em_zone2@yahoo.com

// आम-सूचना //

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि इस कार्यालय के पत्र क्रमांक 2426 **दिनांक 01/04/2021 के द्वारा नवा रायपुर अटल नगर सेक्टर-16, में दुकान क्रमांक- सी-9, ब्लॉक नं. 01, टाईप-बी, दुकान क्रमांक-01/04, को श्री मिर्जा शाहजर बेग पिता श्री अफतन बेग,** के नाम ऑफर आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा पंजीयन कार्यालय नवा रायपुर से दिनांक 24/09/2021 को सेलडीड (पट्टा विलेख) का निष्पादन करा लिया गया है। पूर्ण राशि जमा कर दुकान का आधिपत्य आदेश प्राप्त कर लिया है। वर्तमान में **श्री मिर्जा शाहजर बेग पिता श्री अफतन बेग, निवासीः मस्जिद गली नं. 04, पारस नगर, वार्ड नं. 22, रायपुर,** तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) के द्वारा उक्त दुकान को **क्रेता श्रीमती वंदना कुर्रे पति श्री टोमन कुर्रे, निवासीः ग्राम-कायाबांधा, सेक्टर-16, नवा रायपुर अटल नगर, तहसील-आरंग, जिला-रायपुर (छ.ग.)** को विक्रय करने के लिये अनापत्ति प्रमाण पत्र (एन.ओ.सी) प्रदाय करने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः नवा रायपुर अटल नगर सेक्टर-16, में स्थित दुकान क्रमांक- सी-9, ब्लॉक नं. 01, टाईप-बी, दुकान क्रमांक-01/04, के विक्रय के सबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तिय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अद्योहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र राजधानी परियोजना
नवा रायपुर, अटल नगर

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /13642/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2024
रायपुर, दिनांक 06-08-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13642
वार्ड का नाम- 1 - वीर सावरकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 1 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR801L01490 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती PRAKASH KUMAR SHRIVASTWA पिता/पति, श्री/श्रीमती JAGDISH PRASAD SHRIVASTWA के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती GHANSHYAM JANGID पिता/पति, श्री/श्रीमती NARAYAN LAL JANGID ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अरूण ध्रुव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /13646/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2024
रायपुर, दिनांक 06-08-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13646
वार्ड का नाम- 1 - वीर सावरकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 1 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR801P00034 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती RAJ BAHADUR पिता/पति, श्री/श्रीमती KALIK PRASAD SINHA के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती MOHAN KUMAR SHRESHTHA पिता/पति, श्री/श्रीमती R.B. SHRESHTHA ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अरूण ध्रुव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 325 दिनांक 02.08.2024
वार्ड का नाम- माधव राव सप्रे वार्ड
वार्ड क्र. 19 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक 19 मांग **पंजी क्र. 13 युआईडी 21309** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **नागेश कुमार सोनी/तपसी कुमार सोनी** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **कुलदीप शर्मा/कुंदन लाल शर्मा** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **01-09-2024** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./13020/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2024
रायपुर, दिनांक 05-08-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13020
वार्ड का नाम-23-शहीद मनमोहन सिंह बक्षी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 23 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR812F00610 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती SATYAM AGRAWAL पिता/पति, श्री/श्रीमती SHANKAR LAL AGRAWAL के नाम से दर्ज, जिसको श्री/श्रीमती **कमलदीप कौर** पिता/पति, श्री/श्रीमती **राजेन्द्र सलूजा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./13069/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2024
रायपुर, दिनांक 05-08-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13069
वार्ड का नाम-24-सरदार वल्लभ भाई पटेल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 24 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR818A0243A जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती MANTORA पिता/पति, श्री/श्रीमती PUNAU के नाम से दर्ज, जिसको श्री/श्रीमती **काशीराम साहू** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. पुनऊ राम साहू** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **आपसी बंटवारा नामा, शपत पात्र** वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./13062/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2024
रायपुर, दिनांक 05-08-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13062
वार्ड का नाम-24-सरदार वल्लभ भाई पटेल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 24 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR818D0290A जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती AJIT पिता/पति, श्री/श्रीमती GUHARAM SAHU के नाम से दर्ज, जिसको श्री/श्रीमती **महेश साहू, केशरी साहू** पिता/पति, **श्री/श्रीमती स्व. राम कुमार साहू** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत दानपत्र** वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./13064/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2024
रायपुर, दिनांक 05-08-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13064
वार्ड का नाम-24-सरदार वल्लभ भाई पटेल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 24 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR818A00243 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती MANTORA पिता/पति, श्री/श्रीमती PUNAU के नाम से दर्ज, जिसको श्री/श्रीमती **मनटोरा बाई साहू पति स्व. पुनऊ राम साहू, तारा साहू** पिता/पति, **अनिल साहू** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **आपसी बंटवारा नामा, शपत पात्र** वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./12974/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2024
रायपुर, दिनांक 05-08-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 12974
वार्ड का नाम-38-शहीद चुड़ामणी नायक वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 38 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR516E00741 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती SONKUNWAR पिता/पति, श्री/श्रीमती... के नाम से दर्ज, जिसको श्री/श्रीमती **मीना बाई मानिकपुरी** पिता/पति, **स्व. नारायण दास मानिकपुरी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र सहमती पत्र मृत्यु प्रमाण पत्र** वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./13073/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2024
रायपुर, दिनांक 05-08-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13073
वार्ड का नाम-24-सरदार वल्लभ भाई पटेल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 24 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR818A0243B जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती MANTORA पिता/पति, श्री/श्रीमती PUNAU के नाम से दर्ज, जिसको श्री/श्रीमती **भुवन लाल साहू** पिता/पति, **स्व. पुनऊ राम साहू** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/**आपसी बंटवारा नाम, शपत पात्र** वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./12975/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2024
रायपुर, दिनांक 05-08-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 12975
वार्ड का नाम-24-सरदार वल्लभ भाई पटेल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 24 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR818C00464 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती MAHAVEER TIWARI AND GHANSHYAM PRASAD TIWARI पिता/पति, श्री/श्रीमती GAYAPRASAD TIWARI के नाम से दर्ज, जिसको श्री/श्रीमती **आशा बाई मानिकपुरी** पिता/पति, **भोलादास मानिकपुरी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/**पंजीकृत विक्रय विलेख** वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

संक्षिप्त समाचार

अमृत सरोवरों के निकट किया जाएगा ध्वजारोहण

कोंडागांव(विश्व परिवार)। अमृत सरोवर, पर्यावरण की स्थिरता और सामुदायिक विकास के प्रति हमारी प्रतिबध्दता का प्रतीक होने के कारण स्वतंत्रता दिवस जैसे ऐतिहासिक समारोह के आयोजन हेतु यह उपयुक्त स्थल हैं। भारत सरकार की ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा 77वां स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में प्रत्येक अमृत सरोवर स्थलों में विशेष उत्सव कार्यक्रम आयोजन करने हेतु निर्देशित किया गया है। इसके तहत अमृत सरोवर स्थलों में ध्वजारोहण के आयोजन उपरांत राष्ट्रीय गान का गायन किया जाएगा। इसके साथ ही आमजन द्वारा ग्राम के मुख्य मार्गों से होते हुये अमृत सरोवर स्थलों को शामिल करते हुये तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जाएगा। समुदाय के सदस्यों और स्थानीय स्कूल के बच्चों द्वारा देशभक्ति गीत, नृत्य, नाटक का मंचन आदि सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस ऐतिहासिक दिन के प्रभाव को बनाये रखने एवं पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने हेतु अभियान चलाकर व्यापक वृक्षारोपण किया जाएगा। सार्वजनिक स्थानों में स्वच्छता और हरियाली को स्थायी बनाये रखने हेतु अमृत सरोवर स्थलों पर स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा च स्वतंत्रता दिवस की महत्ता, पर्यावरण संरक्षण, सतत विकास आदि बिंदुओं पर ध्यान केन्द्रित करते हुये सामूहिक परिचर्चा, प्रश्नोत्तरी परिचर्चा आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

जिला शिक्षा अधिकारी वर्षा बंसल ने किया स्कूलों का आकस्मिक निरीक्षण

सारंगढ़ बिलाईगढ़(विश्व परिवार)। जिला शिक्षा अधिकारी डा. वर्षा बंसल ने सारंगढ़ विकासखंड के मल्दा ब और बरमकेला विकासखंड के अंतर्गत बेंगची का आकस्मिक निरीक्षण किया एवम आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने मल्दा ब में औचक निरीक्षण किया जहां प्राथमिक, माध्यमिक और हाईस्कूल के सभी शिक्षक समयानुसार उपस्थित मिले। डीईओ वर्षा ने विद्यालय परिसर का निरीक्षण करते हुए साफ सफाई, शौचालय का नियमित उपयोग के संबंध मे आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने विद्यालय कक्षों का निरीक्षण करते हुए बच्चों से पठन पाठन संबधित गतिविधियों से भी रूबरू हुए। उन्होंने संकुल प्राचार्य और शिक्षकों का मनोबल बढ़ाते हुए बेहतर करने को प्रेरित किया। डीईओ ने छः अगस्त को होने वाली शिक्षक पालक बैठक की तैयारियों के संबंध भी जानकारी लेते हुए कार्यक्रम आयोजन के संदर्भ मे निर्देश दिए। इसी प्रकार बरमकेला विकासखंड के अंतर्गत बेंगची विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। औचक निरीक्षण के दरम्यान हाईस्कूल से एस पी सिदार, एल पी पटेल तथा माध्यमिक शाला बेंगची से युधिष्ठिर नायक अनुपस्थित पाए गए। अनुपस्थित शिक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया गया है, वही कुछ शिक्षक निरीक्षण के दौरान विद्यालय पंहुचे। डीईओ वर्षा बंसल ने सभी शिक्षकों को शालेय समय पर विद्यालय पहुंचने के लिए निर्देशित किए।

शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में चलाए जाएंगे नशा मुक्ति जन जागरूकता कार्यक्रम

महासमुंद(विश्व परिवार)। भारत सरकार सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय नई दिल्ली द्वारा नशामुक्ति के पक्ष में सकारात्मक वातावरण विकसित करने तथा राष्ट्र को नशामुक्त बनाने के लिए नशामुक्त भारत अभियान (एनएमबीए) का संचालन जिले में किया जा रहा है। कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह के मार्गदर्शन में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में नशामुक्त भारत अभियान के बैनर तले युवाओं, बच्चों, शैक्षणिक संस्थानों, महिलाओं और जन समुदाय की भागीदारी के साथ मादक द्रव्यों के सेवन की रोकथाम करने, समय-समय पर मादक द्रव्यों के सेवन से संबंधित जागरूकता प्रचार-प्रसार कार्यक्रम, सेमीनार, रैलियां, नुक्कड़ नाटक, नशा बंदी प्रतियोगिताएं, सोशल मीडिया के द्वारा प्रचार अभियान, नशा बंदी शपथ आदि का संचालन किया जाना है। शिक्षण, प्रशिक्षण संस्थाओं के 100 मीटर की सीमा में सिगरेट आदि मादक पदार्थों के विक्रय पर प्रतिबंध का कड़ाई से पालन कराने को कहा गया। जिसके लिए कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति भी गठित की गई है। नशा मुक्ति अभियान को अपेक्षित गति प्रदान करने हेतु जिला नोडल अधिकारी की नियुक्ति के साथ ही इस अभियान में नशा मुक्ति के क्षेत्र में कार्य किए जाने हेतु कुल 50 वालिंटियर्स को नियुक्त किए जायेंगे। जिनमें एनसीसी, एनएसएस के विद्यार्थी, नेहरू युवा केंद्र के स्वयं सेवी शामिल होंगे। नियुक्त वालिंटियर्स को प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर द्वारा समय-समय पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। स्वास्थ्य अधिकारियों को मेडिकल स्टोर्स में नशीली दवाइयों पर रोकथाम के लिए समय-समय पर जांच करने के निर्देश दिए।

हिस्ट्रीशीटर और भाजपा नेता अजय सिंह एक सरकारी गुंडा है- विक्रम मंडावी

हिस्ट्रीशीटर, बदमाश और गुंडा भाजपा नेता अजय सिंह को लोगों को मारने, पीटने और वसूली करने का खुले आम संरक्षण भाजपा सरकार से प्राप्त है

बीजापुर(विश्व परिवार)। शनिवार को बीजापुर के विधायक विक्रम मंडावी ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में भाजपा की सरकार बने हुए लगभग 7 माह हुए है जब भाजपा की सरकार बनी थी तब भाजपा और भाजपा नेताओं ने कहा था कि ये सुशासन की सरकार है, डबल इंजन की सरकार है लेकिन महज़ 7 महीने में ही सुशासन का नारा देने वाली विष्णु देव साय सरकार की पोल खुल गई है आज पूरे प्रदेश में राजनैतिक अराजकता का माहौल है भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा खुलेआम गुंडागर्दी किया जा रहा है भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को भी धमकियां और चुनौतियां दी जा रही है। विधायक विक्रम मंडावी ने बीजापुर की घटनाओं का उल्लेख करते हुए आगे कहा कि हिस्ट्रीशीटर और भाजपा नेता अजय सिंह ने दिनांक 16/07/2024 को भैरमगढ़ निवासी प्रकाश पाण्डे के साथ जातिगत गाली गलौच देते हुए धक्का मुक्की देते हुए जान से मारने की धमकी और 15 लाख रुपये की मांग की थी। जिसे लेकर प्रकाश पाण्डे ने भैरमगढ़ थाने में दिनांक 17/07/2024 को स्नढ्ढक्र करने के लिए आवेदन पत्र दिया था लेकिन आज तक जातिगत गाली गलौच करते हुए धक्का मुक्की देते, जान से मारने की धमकी देने और 15 लाख रुपये की मांग करने वाले पर कोई भी कार्यवाही नहीं हुई है। विधायक विक्रम मंडावी ने प्रेस वार्ता में एक अन्य घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि दिनांक 16/07/2024 को ही हिस्ट्रीशीटर और भाजपा नेता अजय सिंह ने बीजापुर के ठेकेदार सुरेश चंद्राकर के छोटे भाई दिनेश चंद्राकर को जातिगत गाली गलौच देते हुए जान से मारने की धमकी दिया और क्रेसर प्लांट में रखे मशीनों को जलाने की धमकी दिया जिसकी भी शिकायत थाना भैरमगढ़ में 24/07/2024 को किया गया था। विधायक विक्रम मंडावी ने आगे कहा कि 16/07/2024 की घटना की शिकायत पर स्नढ्ढक्र नहीं होने से पीड़ितों ने ज़िले के पुलिस अधीक्षक और कलेक्टर से मिलकर घटना के संबंध में विस्तार पूर्वक बताकर हिस्ट्रीशीटर और भाजपा नेता अजय सिंह पर स्नढ्ढक्र करने की मांग की गई बावजूद इसके पुलिस अब तक हिस्ट्रीशीटर और भाजपा नेता अजय सिंह पर कार्यवाही नहीं कर रही है। पुलिस द्वारा हिस्ट्रीशीटर और भाजपा नेता अजय सिंह पर कार्यवाही नहीं होता देख पीड़ित युवक प्रकाश पाण्डे ने सर्व आदिवासी समाज एवं दिनेश चंद्राकर ने महार समाज को आवेदन देकर न्याय दिलाने की मांग किया उसके बाद पीड़ितों के समर्थन में सर्व आदिवासी समाज के बैनर तले महार समाज एवं सर्व समाज ने ज़िला मुख्यालय बीजापुर में दिनांक 01/08/2024 को हिस्ट्रीशीटर और भाजपा नेता अजय सिंह पर स्नढ्ढक्र दर्ज कर गिरफ़्तार करने की मांग करते हुए रैली निकाली और बीजापुर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा उसके बाद भी शासन प्रशासन के द्वारा समाज के लोगों के मांग पर कोई संतोषजनक जवाब शासन प्रशासन से नहीं मिला। विक्रम मंडावी ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए आगे कहा कि घटना दिनांक से अब तक 15-16 दिन बीत चुकें है लेकिन अब तक युवक प्रकाश पाण्डे को न्याय नहीं मिला। जिससे हिस्ट्रीशीटर और भाजपा नेता अजय सिंह का मनोबल लगातार बढ़ रहा है। हिस्ट्रीशीटर और भाजपा नेता अजय सिंह का यह कोई पहली घटना नहीं है इसके पूर्व भी हिस्ट्रीशीटर और भाजपा नेता अजय सिंह के ख़िलाफ़ 2 दर्जन से अधिक प्रकरण ज़िले के थानों में दर्ज हो चुकें है।

जो भी कार्य करें पूरे आत्मविश्वास, मेहनत और लगन से करें सफलता निश्चित मिलेगी : कलेक्टर

10 दिवसीय ग्रामीण सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर प्रशिक्षण में प्रशिक्षु युवाओं का कलेक्टर ने किया उत्साहवर्धन

बीजापुर(विश्व परिवार)। 10 दिवसीय सोशल मीडिया इफ्लुएंसर प्रशिक्षण का शुभारंभ जिला कार्यालय के इन्द्रावती सभाकक्ष में हुआ इस अवसर पर कलेक्टर अनुराग पाण्डेय ने वर्तमान समय में सोशल मीडिया के महत्व उपयोगिता के बारे में प्रशिक्षु युवक युवतियों को विस्तृत जानकारी दी। त्वरित प्रचार-प्रसार के माध्यम के रूप में सोशल मीडिया महत्व वर्तमान समय में बहुत अधिक है। इसलिए स्वयं को अपडेट रखने में सोशल मीडिया सहायक है। देश दुनिया में क्या हो रहा है। बैठे-बैठे अपने मोबाईल फोन में पता कर सकते हैं। इस दौरान कलेक्टर ने बताया कि जानकारी के आदान प्रदान, देश-दुनिया से जुड़ने व्यवसायों को अपने उत्पादों और सेवाओं को बढ़ावा देने, सोशल मीडिया शिक्षा के लिए एक मंच प्रदान करता है, मनोरंजन का स्त्रोत, सोशल मीडिया लोगो को ताजा समाचार और अद्यतम प्रदान करता है। इसके साथ ही सोशल मीडिया व्यक्तियों को अपने व्यक्तिगत ब्रांड को बढ़ावा देने में मदद करता है। आज सभी के पास मोबाईल फोन है उसका सही इस्तेमाल, शिक्षा, व्यापार, जनहित, समाज, देश और राष्ट्र के लिए करना जरूरी है तभी युवा पीढ़ी इन संचार के माध्यमों से स्वयं का समाज परिवार और देश का नाम रौशन कर सकेगा। 10 दिवसीय प्रशिक्षण में स्थानीय युवाओं को प्रशिक्षित प्रशिक्षकों द्वारा यह प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके पूर्व दो चरणों में कौशल विभाग अन्तर्गत उद्यमिता प्रशिक्षण प्रदाय किया गया था।

अपर कलेक्टर ने सुनी आमजनों की समस्याएं निराकरण कराने दिलाया भरोसा

नारायणपुर(विश्व परिवार)। अपर कलेक्टर बीरेन्द्र बहादुर पंचभाई ने जिला कार्यालय के सभा कक्ष में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन कार्यक्रम में जिले के विभिन्न गांवो से पहुंचे लोगों से मुलाकात किया। उन्होंने मुलाकात कर उनकी मांगो एवं समस्याओं और शिकायत संबंधी आवेदनों का निराकरण कराने संबंधित विभाग के अधिकारियों को त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दिये। आज जनदर्शन में ग्राम सोनपुर के समस्त ग्रामवासी द्वारा शासकीय हाईस्कूल सोनपुर में शिक्षक मांग हेतु, मंजू पति स्व. पंचम द्वारा शासन की पुर्नवास नीति नौकरी प्रदाय करने, ममता पोटाई निवासी शांति नगर द्वारा रोजी न मिलने कारण शिकायत हेतु, ग्राम साकड़ी बेड़ा समस्त ग्रामवासी के द्वारा क्षतिग्रस्त भवन सुधार कराने, रोशनलाल दुग्गा के द्वारा शिक्षक एल.बी. उच्च प्राथमिक शाला थुलथुली विकासखण्ड ओरछा युक्ति युक्तकरण अथवा स्थानांतरण करने, कमलू नुरेटी ग्राम मुरनार के द्वारा मुंह के कैंशर ईलाज हेतु सहायता राशि प्रदाय करने, प्रमिला गोटा ग्राम जाटलूर के द्वारा रोजगार प्रदाय करने के संबंध में, अहिल्या कोवाची ग्राम मुरनार के द्वारा रोजगार प्रदाय करने के संबंध में, ग्राम छोटेसुहनार के समस्त ग्रामवासी के द्वारा प्राथमिक शाला छोटेसुहनार के पाठक को वापस करने एवं सहायक शिक्षक को हटाने, किशोर विद्यार्थियों को पुनः छात्रावास में रखने हेतु, पूर्णानन्द कोलियारा अध्यक्ष शाला प्रबंधन एवं विकास समिति हाई स्कूल खड़ीबहार शिक्षक की पूर्ति करने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया गया। इस प्रकार जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों पर अपर कलेक्टर बीरेन्द्र बहादुर पंचभाई ने गंभीरतापूर्वक सभी आवेदनों पर शीघ्र कार्यवाही करने के लिए ग्रामीणों को भरोसा दिलाया।

न्यायालय परिसर में वृक्षारोपण के माध्यम से दिया गया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

कोंडागांव(विश्व परिवार)। न्यायालय परिसर में वृक्षारोपण के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री उत्तरा कुमार कश्यप की उपस्थिति में जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश एफटी.एस.सी (पॉक्सो) श्री कमलेश कुमार जूर्री, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री विक्रम प्रताप चन्द्र, प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री शिव प्रकाश त्रिपाठी, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव कु. गायत्री साय, लीगल एड डिफेंस कौंसिल कोण्डागांव के अधिवक्तागण एवं जिला कोण्डागांव के समस्त अधिवक्ता, न्यायिक कर्मचारी एवं पैरालीगल वालिंटियर के द्वारा एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत जिला न्यायालय परिसर कोण्डागांव में वृक्षरोपण किया गया। साथ ही प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने संदेश दिया की पेड़ हमें जीवित रहने के लिए जरूरी कई लाभ प्रदान करते है, जिसमें स्वच्छ हवा, साफ पानी, छाया और भोजन तक पहुॅच शामिल है। वे हमें उम्मीद और अंतदृष्टि भी देते है, और सबसे कठिन परिस्थितियों में भी दृढ़ रहने का साहस देते है। पेड़ हमें उॅचाई पर चढ़ते समय अपनी जड़ों से जुडे रहना सिखाते है। इस अवसर पर समस्त अधिवक्ता एवं न्यायिक कर्मचारीगण को अपने-अपने घर पर पौधा लगाने के लिए जागरूक किया गया।

जलकेश्वर जलप्रपात पर्यटन निगम की उपेक्षा का शिकार

रामानुजगंज(विश्व परिवार)। रामानुजगंज नगर सीमा से सटे 100 बिस्तर अस्पताल से 100 मीटर की दूरी पर स्थित पर्यटन स्थल जलकेश्वर विगत कई वर्षों के बाद झरना चलने से अपनी प्राकृतिक सुंदरता को बिखेर रहा है। जलकेश्वर दशकों से अपेक्षा का शिकार है यदि जनप्रतिनिधि ध्यान देते हैं तो यह बलरामपुर रामानुजगंज जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों में शुमार हो सकता है नगरवासियों की भी मनसा है कि जलकेश्वर को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाए। गौरतलब है कि कुछ वर्ष पहले तक जलकेश्वर रामानुजगंजवासी पिकनिक स्पॉट के रूप में जलकेश्वर पहली पसंद हुआ करती थी यहां स्थिति ऐसी होती थी कि सावन की झड़ी लगते ही पिकनिक मनाने वालों की भीड़ उमड़ने लगती थी। जलकेश्वर पहाड़ के ऊपर तो मेंला जैसा माहौल हो जाता था चारों तरफ लोग झूला लगाकर झूलते थे एवं झरने में स्नान कर आनंदित होते थे। जलकेश्वर पहाड़ के ऊपर घूमने के लिए पर्याप्त जगह है एवं काफी संख्या में लोग यहां एकत्रित भी हो सकते हैं यहां दो तरफ से पानी आकर झरने का रूप लेता है परंतु विगत कुछ वर्षों से लगातार उपेक्षा होने से धीरे-धीरे यह पर्यटन स्थल में लोगों का आना काम हुआ है यदि जलकेश्वर को सवारा जाता है तो यह जिले का प्रमुख पर्यटन स्थल बन सकता है। अंधाधुन पेड़ों की कटाई लगा रहे है खूबसूरती को ग्रहण...... एक ओर जलकेश्वर पहाड़ अपने नैसर्गिक खूबसूरती एवं पेड़ों के कारण लोगों को अपनी और आकर्षित करता है वही यहां विगत कई वर्षों से लगातार अवैध रूप से पेड़ों की अंधाधुंध कटाई हो रही है जो काफी चिंता का विषय है अब भी समय है कि पेड़ों की कटाई को रोका जाए नहीं तो यहां की भी स्थिति काफी दयनीय हो जाएगी। दो तरफ से जाया जा सकता है जलकेश्वर पहाड़ पर....... जलकेश्वर पहाड़ पर जाने के लिए दो तरफसे रास्ता है एक रास्ता तो चट्टानों के बीच से होकर गुजरता है वहीं दूसरा पथरीला रास्ता है परंतु दोनों रास्ते से आसानी से जलकेश्वर पहाड़ पर जाया जा सकता है यहां जाने वाले लोग अपने सुविधा के अनुसार दोनों में से किसी भी रास्ते को चुनते हैं। बहुत वर्ष बाद चल रहा है झरना....... पहले पूरे बरसात के समय जलकेश्वर में मोटा धार में झरना चलता था ऊपर में तालाब नुमा पानी जमा रहता था परंतु जिस प्रकार से अंधाधुन पेड़ों की कटाई हुई उससे अब झरना पूरे बरसात के समय नहीं चलता है जब वर्षा बहुत होती है तो कुछ दिनों तक ही झरना चलता है।

हरेली त्यौहार पर प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों ने किया वृक्षारोपण

धमतरी(विश्व परिवार)। जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) स्वीकृत आवास 40 हजार 388, प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पी.एम.-जनमन) अंतर्गत 1268 आवास, एवं मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) 622 आवास निर्माण की स्वीकृति दी गई है। लक्ष्य व समयबद्ध प्रगति लाने के लिए हितग्राहियों के उन्मुखीकरण एवं उत्साहवर्धन के लिए छत्तीसगढ़ की कृषि संस्कृति हरेली त्यौहार के अवसर पर छांयादार, फलदार एवं औषधि महत्व के पौधों का रोपण कर धूमधाम से पर्व मनाया गया। आवास योजना के लाभान्वित हितग्राहियों ने भी हरेली त्यौहार को यादगार बनाने के लिए अपने-अपने घर के सामने पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से पौधारोपण करने में बढ़चढकर भाग लिए। अन्य लोगों को भी पर्यावरण का महत्व बताते हुए "एक पेड़ मां के नाम" पौधों का रोपण करने जागरूक किया। पौधों के बढ़ते तक देख भाल करने का भी संकल्प लिया गया। इस अवसर को यादगार बताते हुए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी रोमा श्रीवास्तव ने कहा कि-योजनांतर्गत कमार परिवार के लाभान्वित हितग्राहियों द्वारा छांयादार पौधों का रोपण किया गया। इस तरह पर्यावरण के प्रति उनका जुड़ाव बढ़ रहा है। देखरेख करने की भी जिम्मेदारी सुनिश्चित की है। देश होगा हरा भरा और खुशहाल एक पेड़ मां के नाम जैसे अभियान को सार्थकता प्रदान कर रहे हैं। ग्लोबल वार्मिंग जैसी चुनौतियों से बचने के लिए पौधों का रोपण करना निहायत जरूरी है। पी.एम.आवास योजना के लाभार्थियों के घर निःशुल्क पौधा उपलब्ध कराया गया। हरेली त्यौहार के साथ साथ वृक्षारोपण अभियान का हिस्सा बनकर पर्यावरण की चुनौती का सामना करने के लिए लोग आगे बढ़ रहे हैं यह उनकी उपलब्धि है।

श्रीरामलला दर्शन योजना : लॉटरी से 72 दर्शनार्थियों का चयन

कांकेर(विश्व परिवार)। श्रीरामलला दर्शन योजना के अंतर्गत अयोध्या धाम की यात्रा के लिए दर्शनार्थियों के चयन हेतु आज जिला पंचायत के सभाकक्ष में चयन समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में श्री रामलला दर्शन योजना के क्रियान्वयन हेतु गठित जिला स्तरीय समिति के सदस्यों की उपस्थिति में जिले के नागरिकों से प्राप्त आवेदनों के परीक्षण उपरांत लॉटरी के माध्यम से 72 दर्शनार्थियों का चयन किया गया। जिला पंचायत के सीईओ श्री सुमित अग्रवाल ने बताया कि श्री रामलला दर्शन योजना के तहत तीसरे चरण की यात्रा के लिए आज लॉटरी के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों से 54 दर्शनार्थियों का चयन किया गया, वहीं नगरीय क्षेत्र से 18 दर्शनार्थियों का चयन किया गया। उक्त चयनित दर्शनार्थियों को जिला मुख्यालय से 22 अगस्त को अयोध्या धाम दर्शन के लिए रवाना किया जाएगा। उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को दर्शनार्थियों के लिए सभी आवश्यक व्यवस्था करने के साथ स्वास्थ्य विभाग को विकासखण्ड स्तर पर ही चयनित हितग्राहियों का चिकित्सा प्रमाण पत्र बनवाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर समिति के सदस्य श्री बृजेश चौहान सहित अधिकारीगण उपस्थित थे।

व्यापार समाचार

जुलाई में 3.20 लाख गाड़ियों की हुई बिक्री, नयी पेशकश और डिस्काउंट ऑफर्स से सेल्स में इजाफा

नईदिल्ली(एजेंसी)। नए मॉडल की पेशकश और बढ़ी हुई छूट से भारत में यात्री वाहनों की रिटेल बिक्री जुलाई में सालाना आधार पर 10 प्रतिशत बढ़ी। उद्योग निकाय फाडा ने सोमवार को यह जानकारी दी। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन के अनुसार जुलाई में कुल यात्री वाहन खुदरा बिक्री बढ़कर 3,20,129 इकाई हो गई, जबकि जुलाई 2023 में यह 2,90,564 इकाई थी। फाडा के उपाध्यक्ष सी. एस. विग्नेश्वर ने कहा, डीलरों ने बताया कि उन्हें अच्छे उत्पाद उपलब्ध होने, आकर्षक योजनाओं और उत्पादों की व्यापक श्रृंखला से लाभ मिला है। उन्होंने कहा कि भारी बारिश, उपभोक्ता भावना में कमी और तीव्र प्रतिस्पर्धा के कारण चुनौतियां उत्पन्न हुईं, लेकिन अधिक प्रचार तथा बढ़ी छूट के जरिये बिक्री को बनाए रखने में कामयाबी हासिल हुई। जुलाई में दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री 17 प्रतिशत बढ़कर 14,43,463 इकाई रही, जो जुलाई 2023 में 12,31,930 इकाई थी। विग्नेश्वर ने बताया कि संपन्न ग्रामीण अर्थव्यवस्था, सकारात्मक मानसून प्रभाव तथा ग्रामीण आय बढ़ाने वाले सरकारी सहायता कार्यक्रमों से इस क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वाणिज्यिक वाहनों की खुदरा बिक्री पिछले महीने सालाना आधार पर सात प्रतिशत बढ़कर 80,057 इकाई हो गई। हालांकि, जुलाई में ट्रैक्टर की बिक्री सालाना आधार पर 12 प्रतिशत घटकर 79,970 इकाई रह गई। फाडा ने जुलाई महीने की रिपोर्ट तैयार करने के लिए वाहन पंजीकरण आंकड़े देश भर के 1,645 आरटीओ में से 1,568 से एकत्र किए।

सोने-चांदी की कीमतों में भारी उछाल

नईदिल्ली(एजेंसी)। भारतीय शेयर बाजार में भले ही आज (सोमवार) को भारी गिरावट देखने को मिल रही हो लेकिन सर्राफा बाजार में उल्टी गंगा बह रही है. दरअसल, शेयर बाजार के इतर सर्राफा बाजार में सप्ताह के पहले ही दिन उछाल बना हुआ है. इससे पहले बाजार हरे निशान के साथ ओपन हुआ और सोना 70 हजार के पार चला गया, हालांकि इसमें 11 बजे के बाद थोड़ी सी गिरावट दर्ज की गई. वहीं शुरुआती बाजार में चांदी के दाम भी 83 हजार के ऊपर चले गए. इसके बाद चांदी के दाम में गिरावट देखने को मिली. सुबह 11.30 बजे सोने का भाव 210 रुपये चढ़कर 22 कैरेट सोने का भाव 64,222 रुपये प्रति दस ग्राम पर पहुंच गया. जबकि 24 कैरेट गोल्ड का भाव 70,060 रुपये प्रति दस ग्राम पर पहुंच गया. वहीं चांदी का भाव इस समय 60 रुपये गिरकर 82,750 रुपये प्रति किग्रा पर आ गया. सुबह साढ़े ग्यारह बजे मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने का भाव 0.30 प्रतिशत यानी 212 रुपये गिरकर 70,001 रुपये प्रति दस ग्राम पर कारोबार कर रहा है. जबकि चांदी का भाव 0.01 फीसदी यानी 7 रुपये गिरकर 82,486 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा है. वहीं विदेशी बाजार यानी यूएस कॉमेक्स पर सोने-चांदी का भाव बढ़त के साथ कारोबार कर रहा है. फिलहार यूएस कॉमेक्स पर सोना 0.36 प्रतिशत यानी 8.90 डॉलर चढ़कर 2,478.70 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा है. जबकि चांदी के दाम 0.06 फीसदी यानी 0.02 डॉलर चढ़कर 28.41 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया है. राजधानी दिल्ली में सोना (22 कैरेट) 63,901 तो 24 कैरेट गोल्ड का भाव 69,710 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है. जबकि चांदी की कीमत यहां 82,240 रुपये प्रति दस ग्राम पर कारोबार कर रही है. मुंबई में 22 कैरटे सोने का भाव 63,983 रुपये प्रति दस ग्राम तो 24 कैरेट गोल्ड की कीमत 69,800 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है. वहीं चांदी का भाव मायानगरी में 82,430 रुपये प्रति किग्रा चल रहा है.

भारत के सर्विस सेक्टर की वृद्धि दर में जुलाई में मामूली गिरावट

नईदिल्ली(एजेंसी)। भारत के सर्विस सेक्टर की वृद्धि जून की तुलना में जुलाई में थोड़ी धीमी रही। एक मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई है। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया भारत सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक जुलाई में 60.3 रही जबकि जून में यह 60.5 थी। खरीद प्रबंधक सूचकांक की भाषा में 50 से ऊपर अंक का मतलब गतिविधियों में विस्तार से और 50 से कम अंक का आशय संकुचन से होता है। एचएसबीसी के मुख्य अर्थशास्त्री (भारत) प्रांजुल भंडारी ने कहा, जुलाई में सेवा क्षेत्र की गतिविधि थोड़ी धीमी गति से बढ़ी, नए कारोबार में और वृद्धि हुई जो मुख्य रूप से घरेलू मांग से प्रेरित रही। सेवा कंपनियां आने वाले वर्ष के लिए आशावादी हैं। सितंबर 2014 में इस सर्वेक्षण की शुरुआत के बाद से नए निर्यात ठेकों में तीसरी सबसे तेज वृद्धि हुई है, जिसका कारण दुनिया भर से भारतीय सेवाओं की मांग में वृद्धि है।

हॉकी : सेमीफाइनल से पहले हरमनप्रीत ने कहा हम जर्मनी से फाइनल खेलना चाहते थे

पेरिस(एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक खेलों के क्वार्टर फाइनल में ब्रिटेन के खिलाफ रोमांचक मुकाबले में शानदार जीत के बाद हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली भारतीय हॉकी टीम मंगलवार को जब जर्मनी के खिलाफ सेमीफाइनल में उतरेगी तो इस बार लक्ष्य मेडल का रंग बदलने का होगा। भारत के लिए हरमनप्रीत ने मैच के 22वें मिनट में गोल किया, जबकि ली मोर्टन ने 27वे मिनट में ब्रिटेन के लिए गोल किया। निर्धारित 60 मिनट तक दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर रहीं। इसके बाद शूटआउट के जरिये विजेता का फैसला हुआ जहां भारत ने 4-2 से मुकाबला अपने नाम किया। पीआर श्रीजेश एक बार फिर अपनी स्मार्ट गोलकीपिंग से टीम की जीत के हीरो रहे। अब सेमीफाइनल में भारत का सामना विश्व नंबर-2 टीम जर्मनी से होगा। सेमीफाइनल से पहले कप्तान हरमनप्रीत ने कहा कि टीम एक चुनौतीपूर्ण प्रतिद्वंद्वी जर्मनी के खिलाफ फाइनल खेलना चाहती थी। हरमनप्रीत ने कहा, हम फाइनल में जर्मनी से खेलना चाहते थे। कम से कम ओलंपिक खेलों से पहले टीम मीटिंग के दौरान हमने आपस में यही चर्चा की थी। वे एक चुनौतीपूर्ण प्रतिद्वंद्वी हैं और जब हम उनके खिलाफ खेलते हैं तो मैच आमतौर पर आखिरी सेकंड तक खिंचता है। सेमीफाइनल मुकाबले से पहले भारतीय टीम को बड़ा झटका लगा है क्योंकि उनके डिफेंडर और नंबर एक पेनल्टी कॉर्नर रशर अमित रोहिदास इस मैच में नहीं खेल सकेंगे क्योंकि उन पर एक मैच का बैन लगा है। हरमनप्रीत ने आगे कहा, अब ये चीजें हमारे नियंत्रण में नहीं हैं। हालांकि सेमीफाइनल के लिए अमित का मैदान पर न होना एक बड़ा झटका है, लेकिन हम अपने काम पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। रविवार को हमारे प्रदर्शन में जो बात सबसे अलग रही, वह थी अमित की तरह अहम स्थान पर अतिरिक्त जिम्मेदारी लेने की टीम की क्षमता। हर खिलाड़ी ने आगे बढ़कर जिम्मेदारी उठाई और आखिरी मिनट तक हम लड़ते रहे। मौजूदा विश्व चैंपियन जर्मनी क्वार्टर फाइनल में अर्जेंटीना के खिलाफ 3-2 से जीत के बाद सेमीफाइनल में पहुंची है। वे भारत के लिए एक परिचित प्रतिद्वंद्वी हैं। सबसे मशहूर मुकाबला टोक्यो ओलंपिक खेलों में कांस्य पदक मैच था, जहां भारत ने 5-4 से रोमांचक जीत दर्ज की और ओलंपिक खेलों में 41 साल का पदक सूखा खत्म हुआ।

शेयर बाजार में भारी गिरावट, सेंसेक्स 1393 तो निफ्टी 415 अंक टूटकर खुला

मुंबई(एजेंसी)। भारतीय शेयर बाजार में आज भारी गिरावट देखने को मिल रही है. प्री-ओपनिंग सेशन में भी बाजार में गिरावट के संकेत मिलने शुरू हो गए थे. प्री-ओपनिंग सेशन में सेंसेक्स 2393.76 अंक यानी 2.96 प्रतिशत गिरकर 78588.19 अंक पर कारोबार करता दिखा, जबकि निफ्टी 414.85 अंक यानी 1.68 फीसदी की गिरावट के साथ 24302.85 अंक पर आ गया. इसके बाद जब बाजार गिरावट के साथ ही ओपन हुआ. सोमवार को सुबह सवा नौ बजे शेयर बाजार गिरावट के साथ ओपन हुई, इस दौरान सेंसेक्स में 1393 अंक की गिरावट दर्ज की गई. जबकि निफ्टी 415 अंक की गिरावट के साथ खुला. इसके बाद सेंसेक्स 78588 अंक पर ओपन हुआ, जो पिछले कारोबारी सत्र में 80981 अंक पर क्लोज हुआ था. वहीं निफ्टी आज 24302 अंक के साथ ओपन हुआ जो पिछले कारोबारी सत्र में 24717 अंक पर क्लोज हुआ था. बता दें कि अमेरिका आगामी राष्ट्रपति चुनाव से पहले मंदी को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं. जिसके बाद अमेरिका में बेरोजगारी दर बढ़कर 4.3 प्रतिशत पर पहुंच गई है. वहीं श्रम बाजार के कमजोर होने की वजह से अर्थव्यवस्था के मंदी की चपेट में आने की संभावनाएं बढ़ गई हैं. इसके साथ ही घरेलू शेयर बाजार के अधिकांश सूचकांग में गिरावट का रुख देखने को मिल रहा है. आज भारतीय बाजार में निफ्टी पर अपोलो हॉस्पिटल और सन फार्मा बढ़ोतरी के साथ कारोबार करते दिख रहे हैं. वहीं मारुति सुजुकी, टाटा मोटर्स, हिंडाल्को, टाइटन कंपनी और टाटा स्टील के शेयर गिरावट के साथ कारोबार कर रहे हैं. वहीं सेंसेक्स के जिन शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट है उनमें टाटा मोटर्स 4.2 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार कर रहा है. जबकि जेएसडब्लू स्टील में 3.3 फीसदी की गिरावट देखने को मिल रही है. वहीं मारुति के शेयर 3.31 प्रतिशत की गिरावट और पावर ग्रिड में 2.85 फीसदी टूटकर कारोबार कर रहा है.

इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज ग्राहम थोर्प का 55 साल की उम्र में हुआ निधन

नईदिल्ली(एजेंसी)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज ग्राहम थोर्प का 55 साल की आयु में निधन हो गया।वह पिछले कुछ समय से बीमार चल रहे थे। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने भी इस पूर्व बल्लेबाज की मृत्यु पर अपना शोक व्यक्त किया।बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने इंग्लैंड की ओर से 100 टेस्ट खेले थे। इसके बाद वह इंग्लिश टीम के साथ बतौर कोच भी काम कर चुके थे। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने अपने बयान में कहा, हमें यह खबर साझा करते हुए बहुत दुख हो रहा है कि ग्राहम थोर्प का निधन हो गया है। उनके निधन पर हमें जो गहरा सदमा लगा है, उसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। इंग्लैंड के अब तक के सबसे बेहतरीन

बल्लेबाजों में से एक होने के अलावा वह क्रिकेट परिवार के एक प्रिय सदस्य थे और दुनिया भर के प्रशंसक उनका सम्मान करते थे। थोर्प ने 2005 में अपने अंतरराष्ट्रीय करियर को अलविदा कहा था।इसके बाद वह 2010 में इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड में मुख्य बल्लेबाजी कोच के रूप में शामिल हुए और उन्होंने क्रिस सिल्वरवुड के सहायक कोच के रूप में काम किया। वह मार्च 2022 में अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के कोच नियुक्त किए गए थे।हालांकि, बीमारी के कारण वह इस भूमिका से पीछे हट गए थे। बता दें कि थोर्प की बीमारी को लेकर स्पष्टता नहीं है। थोर्प ने 1993 में ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के खिलाफ अपने टेस्ट करियर का आगाज किया था।उन्होंने 100 टेस्ट में 44.66 की औसत के साथ 6,744 रन बनाए थे। इस बीच उन्होंने 16 शतक और 39 अर्धशतक लगाए थे।टेस्ट क्रिकेट में उनका सर्वोच्च स्कोर नाबाद 200 रन रहा था।अपने वनडे करियर में उन्होंने 82 मैचों में 37.18 की औसत से 2,380 रन बनाए थे, जिसमें 21 अर्धशतक शामिल थे।

अमेरिका में मंदी की आशंका से वैश्विक बाजार धराशाई

10 प्रतिशत तक फिसले

मुंबई(एजेंसी)। अमेरिका में मंदी की आहट से वैश्विक बाजारों में सोमवार को 10 प्रतिशत तक की बड़ी गिरावट देखने को मिली। एशिया के ज्यादातर बाजारों में दबाव के साथ कारोबार हो रहा है। जापान के शेयर बाजार में गिरावट का सबसे ज्यादा असर देखा जा रहा है। बेंचमार्क निक्केई 10 प्रतिशत फिसल गया है। सोल के बाजार 8 प्रतिशत, ताइपे 4.5 प्रतिशत, जकार्ता 2 प्रतिशत, हांगकांग 1.43 प्रतिशत और शंघाई के बाजार में करीब एक प्रतिशत की गिरावट है। दक्षिण कोरियाई न्यूज एजेंसी योनहाप ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि गिरावट के साथ स्थानीय शेयर बाजार के बेंचमार्क केओएसपीआई 200 में पांच मिनट के लिए कारोबार रोक दिया गया। दुनिया के सबसे बड़े

शेयर बाजार अमेरिका में भी बड़ी गिरावट देखी जा रही है। पिछले हफ्ते शुक्रवार को डाओ 1.51 प्रतिशत से अधिक की गिरावट के साथ बंद हुआ था, यह लगातार दूसरा दिन था, जब डाओ में गिरावट देखने को मिली। अमेरिकी में गिरावट का कारण निराशाजनक जॉब डेटा का आना है, जिसने दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के मंदी में जाने का संकेत दिया है। वैश्विक बाजारों में गिरावट का असर भारतीय शेयर बाजार में भी सोमवार को देखने को मिला। दोपहर 12 बजे सेंसेक्स 2,331 अंक या 2.88 प्रतिशत गिरकर 78,650 और निफ्टी 682 अंक या 2.76 प्रतिशत फिसलकर 24,035 पर था। स्वास्तिका इन्वेस्टमार्ट के रिसर्च हेड संतोष मीणा का कहना है कि वैश्विक बाजारों में लगातार आ रही खराब खबरों के कारण गिरावट देखने को मिल रही है। जापान ने ब्याज दरें बढ़ा दी हैं, जिसके कारण दुनियाभर में लगा जापान का पैसा वापस वहां की अर्थव्यवस्था में जाने की उम्मीद है। वहीं, अमेरिका में भी जॉब डेटा खराब आया है, जिसके कारण बाजार में बिकवाली देखने को मिल रही है। एक अन्य एक्सपर्ट का कहना है कि शेयर बाजार में रैली की प्रमुख वजह थी कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था में सबकुछ ठीक चल रहा है। जुलाई में अमेरिका के खराब जॉब डेटा ने इन सभी पर पानी फेर दिया है। अमेरिका में बेरोजगारी दर बढ़कर 4.3 प्रतिशत पर पहुंच गई है। मध्य पूर्व में तनाव ने इसको और अधिक बढ़ा दिया है, जिसके कारण बाजार में गिरावट देखने को मिल रही है।

गौतम अडानी होंगे रिटायर! दोनों बेटे को सौंप देंगे अरबों का कारोबार

नईदिल्ली(एजेंसी)। अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी अपना पद छोड़ सकते हैं. उन्होंने इस बात का खुलासा किया है. दरअसल अडानी की उम्र इस वक्त 62 साल हैं, उनका मानना है कि, व्यवसाय की स्थिरता के लिए उत्तराधिकार बहुत-बहुत महत्वपूर्ण है. लिहाजा वह 2030 तक, जब वह 70 साल के होंगे, तब पद अपने चेयरमैन पद से इस्तीफा दे

सकते हैं. उनकी जगह उनके दोनों बेटे करण अडानी या जीत अडानी ले सकते हैं. गौरतलब है कि, फिलहाल अडानी समूह के 10 लिस्टेड एंटिटी में कुल बाजार कैपिटलाइजेशन 213 बिलियन का है, जिसमें इंफ्रास्ट्रक्चर व्यवसाय, बंदरगाह, शिपिंग, सीमेंट, सौर ऊर्जा सहित अन्य शामिल हैं. दरअसल, गौतम अडानी ने अपने दो बेटों और दो भतीजों से पूछा है कि, क्या वे अडानी समूह के व्यापक कारोबार को बांटकर अलग हो जाना पसंद करेंगे या एकजुट रहना पसंद करेंगे. इसपर गौतम अडानी के बेटे, करण और जीत, और चचेरे भाई प्रणव और सागर ने उनसे कहा है कि, वे समूह को एक परिवार के रूप में चलाने का इरादा रखते हैं. गौतम अडानी ने दावा किया कि उनके चार उत्तराधिकारी व्यापार को आगे बढ़ाएंगे.

इंडसइंड बैंक ने एचएनआई/ यूएनएचआई सेगमेंट के लिए पेश किया विशेष जरूरतों को पूरा करने वाला वित्तीय समाधान कार्यक्रम 'पायनियर प्राइवेट'

मुंबई: इंडसइंड बैंक ने अपने एक विशिष्ट कार्यक्रम, 'पायनियर प्राइवेट प्रोग्राम' के लॉन्च की घोषणा की जिसके तहत हाई नेटवर्थ इंडिविजुअल (एचएनडब्ल्यूआई) की आवश्यकता के अनुरूप वित्तीय समाधान प्रदान किये जाएंगे। एचएनआई की सेवा में खुद को मज़बूती से स्थापित करने के बाद पेश यह नया कार्यक्रम, एचएनडब्ल्यूआई की विविध वित्तीय और बैंकिंग से जुड़ी ज़रूरतों को पूरा करने के लिए व्यक्तिगत आवश्यकता के अनुरूप समाधान प्रदान करने के प्रति इंडसइंड बैंक की प्रतिबद्धता की दिशा में एक महत्वपूर्ण छलांग है। पायनियर प्राइवेट, एचएनआई/यूएचएनआई समुदाय की विशिष्ट ज़रूरतों को पूरा करने के लिए तैयार वित्तीय समाधानों का एक विशेष सेगमेंट है। इस खास कार्यक्रम को 'भविष्य में इतिहास बनाने' (हिस्ट्री लाइज़ अहेड) की भावना के आधार पर तैयार किया गया है और यह समझदार यूएचएनडब्ल्यूआई की वित्तीय यात्रा की हर ज़रूरत को पूरा करता है। परिष्कृत निवेश के अवसरों पर ध्यान केंद्रित करने वाले हर तरह के बैंकिंग समाधानों की यह व्यापक श्रृंखला, पारंपरिक से लेकर ताज़ातरीन, एस्टेट और विरासत नियोजन, निर्बाध व्यापार और विदेशी मुद्रा सेवाएं, ज़रूरत के मुताबिक लोन और संरचना समाधान तथा कई अन्य ग्राहक-केंद्रित व्यक्तिगत पेशकशों तक फैली हुई है।

इसके अलावा, यह कार्यक्रम अग्रणी बीमा कंपनियों के साथ साझेदारी में व्यक्तिगत बीमा समाधान प्रदान करता है और ग्राहकों की प्राथमिकताओं के अनुरूप शानदार जीवनशैली का अनुभव प्रदान करता है, जिसका शीर्ष-स्तरीय निजी मेटल क्रेडिट तथा डेबिट कार्ड और अत्याधुनिक वेयरेबल उत्पादों के ज़रिये विस्तार किया जाता है। ये अभूतपूर्व लाभों और पुरस्कारों के साथ आते हैं, जिसमें विशेष यात्रा लाभ- एयरपोर्ट लाउंज, पिक-अप एवं ड्रॉप, मीट एंड ग्रीट सेवाएं, वैश्विक गोल्फ प्रिविलेज, एकीकृत शीर्ष ब्रांड और बहुत कुछ शामिल हैं। इंडसइंड बैंक के एफ्लुएन्ट बैंकिंग और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार प्रमुख, श्री समीर दीवान ने कहा, उत्कृष्टता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता हमें अपने ग्राहकों को प्रदान की जाने वाली बैंकिंग सेवाओं के मानकों को निरंतर विकसित करने और बढ़ाने के लिए प्रेरित करती है। हमें एचएनडब्ल्यूआई सेगमेंट की विविध आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अपने विशिष्ट वित्तीय और बैंकिंग समाधान पायनियर प्राइवेट के रूप में पेश करते हुए खुशी हो रही है। हम इस कार्यक्रम के ज़रिये अपने एचएनडब्ल्यूआई ग्राहकों को बेहतरीन अनुभव प्रदान करना चाहते हैं और यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि हमारे साथ हर संवाद में उन्हें सहज दक्षता और भव्यता का अहसास हो। 'पायनियर प्राइवेट प्रोग्राम' के साथ, हम अपने सम्मानित ग्राहकों को एक ऐसे सफर पर निकलने के लिए आमंत्रित कर रहे हैं, जहां वास्तव में हिस्ट्री लाइज़ अहेड की स्थिति बने।

'जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने DriEV.Bharat में किए ईवी ईकोसिस्टम में कई इंडस्ट्री-फर्स्ट फीचर्स लॉन्च

रायपुर: जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने DriEV.Bharat में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के लिए इनोवेशन की एक श्रृंखला को पेश किया। इस कार्यक्रम का आयोजन कंपनी की ओर से भारत मंडपम, नई दिल्ली में विविधतापूर्ण ऑटोमोटिव और ईवी ईकोसिस्टम के अग्रणी इंडस्ट्री खिलाड़ियों के साथ मिलकर किया गया था। अपनी तरह का पहला यह कार्यक्रम ईवी तकनीक को आगे बढ़ाने और इलेक्ट्रिक वाहनों को तेजी से अपनाने के साथ परेशानी मुक्त स्वामित्व अनुभव प्रदान करने के लिए मजबूत ईवी बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए निर्माताओं की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस कार्यक्रम में एमजी ईहब को लॉन्च किया गया, जो एक ओईएम की ओर से इंडस्ट्री का पहला और सबसे बड़ा चार्जिंग प्लेटफॉर्म है, प्रोजेक्ट रिवाइव, कारों के अलावा ईवी बैटरी को पुन: उपयोग करने पर केंद्रित है, ईवीपीडिया, इलेक्ट्रिक कार यूजर्स के लिए भारत का पहला समर्पित शैक्षणिक और जानकारी भरा प्लेटफॉर्म, एमजी-जियो इनोवेटिव कनेक्टिविटी प्लेटफॉर्म (MG-Jio ICP), जो आने वाले सभी एमजी वाहनों के लिए एक स्टैंडर्ड तौर पर मौजूद होगा। इनोवेशन और सस्टैनबिलिटी के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता को उजागर करते हुए, एमजी की ओर से इंडस्ट्री का पहला चार्जिंग प्लेटफॉर्म ईहब को कार्यक्रम में पेश किया गया। इसका उद्देश्य देशभर में ग्राहकों को एक एकल मंच प्रदान कर ईवी चार्जिंग अनुभव को आसान और सुविधाजनक बनाना है। कंपनी ने प्रोजेक्ट रिवाइव भी पेश किया, जो TERI, Lohum और BatX के साथ भागीदारी में शुरू की गई एक पहल है, इसका उद्देश्य ईवी बैटरी को कारों के अलावा दूसरे जीवन के तौर पर स्थायी सामुदायिक अनुप्रयोगों के लिए अक्षय ऊर्जा भंडारण प्रणालियों के रूप में उपयोग करने के लिए तैयार करना है। यह पहल सर्कुलर इकोनॉमी को बढ़ावा देगी, और एक ऐसा सिस्टम तैयार करेगी जिसका उद्देश्य कचरे को खत्म करना और रियूज, रिपेयर और रिसाइकलिंग के सिद्धांत के माध्यम से संसाधनों के निरंतर उपयोग को बढ़ावा देगा और भारत के स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों को हासिल करने में मदद करेगा। उपभोक्ताओं के बीच जागरूकता बढ़ाने और उनके सवालों का जवाब देने की अपनी प्रतिबद्धता को और अधिक मजबूत करते हुए, जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने ईवीपीडिया को लॉन्च किया है, जो इंडस्ट्री का पहला समर्पित ईवी एजुकेशन प्लेटफॉर्म है। यह पहल ईवी टेक्नोलॉजी, उसके लाभ, लागत और रख-रखाव से जुड़ी भरोसेमंद, सटीक और रोचक जानकारी प्रदान करती है। मिथकों को खत्म कर और जानकारी भरे निर्णयों को बढ़ावा देकर, ईवीपीडिया ईवी की वकालत करता है और ईवी को अपनाने में व्यापकरूप से मदद करता है। कार निर्माता ने यह भी घोषणा की है कि आगे आने वाले सभी एमजी वाहनों में एमजी-जियो इनोवेटिव कनेक्टिविटी प्लेटफॉर्म (स्न्न-छ्व्रश्व ढ्डष्क्क) एक स्टैंडर्ड के तौर पर उपलब्ध होगा।

संक्षिप्त समाचार

हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने के लिए की बैठक संपन्न

रायपुर (विश्व परिवार) । प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का आह्वान पर हर घर तिरंगा अभियान के निमित्त भाजपा प्रदेश कार्यालय रायपुर में बैठक आयोजित की गई । बैठक में राष्ट्रीय प्रवक्ता गुरू प्रकाश पासवान, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री किरण सिंहदेव, उप मुख्यमंत्री श्री अरूण साव, संगठन महामंत्री श्री पवन कुमार साय, सहित वरिष्ठ नेताओं का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। बैठक में कैबिनेट मंत्री श्री ओपी चौधरी, श्री टंकराम वर्मा, श्री दयालदास बघेल, भाजपा प्रदेश महासचिव श्री संजय श्रीवास्तव विधायक आरंग गुरु खुशवंत साहेब सहित पार्टी पदाधिकारी अपेक्षित सदस्य प्रमुख रुप से उपस्थित थे । बैठक में हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने के लिए नेताओं ने अपने विचार प्रकट किया तथा इस अभियान में पूरी ताकत के साथ जुड़ने का आवाहन किया।

कलिंगा विवि ने शासकीय चिकित्सालय - आरंग को हाइड्रोलिक डिलीवरी टेबल भेंट किया गया

आरंग। कलिंगा विश्वविद्यालय मध्य भारत का एक प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान है। जहाँ पर वैश्विक मापदंड के अनुरूप उच्च गुणवत्तापूर्ण और अनुसंधान केंद्रित शिक्षा प्रदान करने के साथ-साथ अपनी सामाजिक जिम्मेदारी का भी निर्वाह किया जाता रहा है। जनहित के इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए कलिंगा विश्वविद्यालय द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में स्थित शासकीय चिकित्सालयों में बुनियादी सुविधाओं के विकास के लिए आवश्यक सामग्री का वितरण किया जाता रहा है। इसी क्रम में कलिंगा विश्वविद्यालय द्वारा शासकीय चिकित्सालय आरंग को हाइड्रोलिक डिलीवरी टेबल भेंट किया गया।

प्रसूति वार्ड में डिलीवरी टेबल एक महत्वपूर्ण उपकरण है, जो माँ और नवजात शिशु दोनों की सुरक्षा और आराम सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इन्हें प्रसव के दौरान माँ को पर्याप्त सहायता और आराम प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

कलिंगा विश्वविद्यालय द्वारा समय समय पर ग्रामीण क्षेत्र में स्थित चिकित्सालयों को उनकी जरुरत के मुताबिक आवश्यक बुनियादी सामग्री उपलब्ध करायी जाती है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र में स्थित शासकीय चिकित्सालय को सर्वसुविधायुक्त बनाना है जिससे ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले निवासियों को आधुनिकतम चिकित्सा सुविधा प्राप्त होती रहे। इसी तारतम्य में कलिंगा विश्वविद्यालय के कुलानुशासक डॉ विजय आनंद और उनकी टीम द्वारा शासकीय चिकित्सालय- आरंग के खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ विजयलक्ष्मी अनंत को हाइड्रोलिक डिलीवरी टेबल सौंपा गया, जिससे चिकित्सालय में चिकित्सकों को प्रसव और उसके विभिन्न चरणों को समायोजित करने में सुविधा रहेगी।

संचालनालय से मंत्रालय तक फेडरेशन ने मशाल रैली निकालकर मंत्रालय के समक्ष किया जंगी प्रदर्शन

रायपुर (विश्व परिवार) । छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन ने संचालनालय (इंद्रावती भवन) से मंत्रालय (महानदी भवन) तक मशाल चेतना रैली निकालकर राज्य सरकार द्वारा मोदी की गारंटी लागू करने के बजाय मौन धारण करने पर आक्रोश व्यक्त किया। रैली में प्रदेश के सभी संभाग/ जिला/ ब्लॉक के प्रभारी/संयोजक/पदाधिकारी/प्रतिनिधियों ने मंत्रालय ने सामने झन कर इनकार हमर सुनव सरकार आंदोलन के प्रथम चरण में जमकर प्रदर्शन किया। उल्लेखनीय है कि फेडरेशन ने मोदी की गारंटी का क्रियान्वयन नहीं होने के स्थिति में चरणबद्ध आंदोलन का ऐलान किया है, जिसके अंतर्गत द्वितीय चरण में 20 से 30 अगस्त 2024 तक सांसदों एवं विधायकों को ज्ञापन, तृतीय चरण में 11 सितंबर 24 को जिला/ब्लॉक/तहसील में मशाल रैली तथा प्रदर्शन, चौथे चरण में 27 सितंबर 24 को प्रदेश के कर्मचारी-अधिकारी सामूहिक अवकाश में रहकर कलम बन्द काम बन्द हड़ताल करेंगे।

यदि सरकार ने मोदी की गारंटी पर क्रियान्वयन नहीं किया तो फेडरेशन अनिश्चितकालीन ह?ताल का आव्हान करेगा।
फेडरेशन के संयोजक कमल वर्मा,सचिव राजेश चटर्जी,प्रवक्ता जी.आर.चंद्रा एवं चंद्रशेखर तिवारी ने बताया कि विधानसभा चुनाव के दौरान प्रदेश के कर्मचारियों के लिए मोदी की गारंटी की घोषणा हुई थी। सरकार बनने पर प्रदेश के शासकीय सेवकों एवं पेंशनरों को केन्द्र के समान डी.ए. दिया जायेगा,लंबित डी ए एरियर्स की राशि को कर्मचारियों के जी.पी.एफ. खाते में समायोजित किया जायेगा सहित अन्य 8 प्रतिबद्धताएं थी। लेकिन सरकार बनने के बाद इनके क्रियान्वयन पर सरकार का मौन धारण करना कर्मचारियों में आक्रोश का कारण बन गया है। फेडरेशन द्वारा लंबे समय से शासकीय सेवकों को केन्द्र के समान गृहभा?ा भत्ता,अर्जित अवकाश 240 दिन के स्थान पर 300 दिन करने जैसे मुद्दों सहित शासकीय सेवक कल्याण के अनेकों मुद्दों पर राज्य सरकार को समय-समय पर ज्ञापन दिया गया है। लेकिन सरकार कर्मचारियों के मुद्दों को नजरअंदाज कर रही है। आज के प्रदर्शन में बी.पी. शर्मा,सतीश मिश्रा, आर. के. रिछारिया, जी.आर. चंद्रा, चंद्रशेखर तिवारी, रोहित तिवारी, मूलचंद शर्मा,विंदेश्वर रौतिया,सत्येंद्र देवांगन,पंकज पांडेय,दीपचंद भारती,अश्वनी चेलक,मनीष ठाकुर,जय कुमार साहू, संतोष वर्मा, रामसागर कौशले, यशवंत वर्मा,ऋतु परिहार,केदार जैन,जगदीप बजाज,अशोक पटेल,लोकेश वर्मा,सोनाली तिरके,पीताम्बर पटेल, डॉ बी.पी. सोनी,सुमन शर्मा, टार्जन गुप्ता,कैलाश चौहान,नंद लाल चौधरी,रमेश ठाकुर,भूपेंद्र पांडेय,संजय शर्मा,मनोज साहू,उमेश मुदलियार, सहित विभिन्न संगठनों के प्रांत अध्यक्षगण, जिला संयोजकगण, ब्लॉक संयोजकगण के साथ ही हजारों की संख्या में कर्मचारी-अधिकारी उपस्थित रहे।

बैडमेंटन प्रतियोगिता में रेल मंडल की महिला एवं पुरुष खिलाड़ियों ने अपना शानदार प्रदर्शन

रायपुर (विश्व परिवार) । 71वी अंतर रेल बैडमेंटन प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 29 जुलाई से 2 अगस्त 2024 को गोरखपुर मे आयोजित कि गई द्य जिसमे सेकरसा रायपुर के महिला एवं पुरुष खिला?ियों ने अपना शानदार प्रदर्शन किया द्य मेडल श्रृंखला व्यक्तिगत मिश्रित युगल प्रतियोगिता मे दीक्षा चौधरी (कार्मिक विभाग, रायपुर) ने द्वितीय स्थान एवं महिला टीम इवेंट मे तृतीय स्थान प्राप्त किया द्य महिला टीम स्पर्धा में के. प्रीति (अभियांत्रिकी विभाग) एवं हिमांशी रावत (डीजल लोकोशेड,यांत्रिकी विभाग, रायपुर) को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ द्य वहीं पुरुष वर्ग मे वेंकट गौरव, युवानडाबस तथा ईशांत भटनागर ने अपना बेहतर प्रदर्शन दिया एवं क्वाटर फाईनल मे हार का सामना करना प?ा एवं मेडल श्रृंखला मे अपना नाम दर्ज कराने से वंचित रह गए द्य सेकरसा के समस्त पदाधिकारियों द्वारा खिला?ियों का मेडल लेकर आने पर भव्य स्वागत किया एवं श्री संजीव कुमार, मंडल रेल प्रबंधक, अध्यक्ष, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे खेल संघ, रायपुर मंडल एवं श्री राहुल गर्ग, सीनियर स्पोर्ट्स ऑफिसर, मंडल कार्मिक अधिकारी (प्र), दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे खेल संघ, रायपुर मंडल से खिलाड़ियों द्वारा सामूहिक मुला?ात की गई द्य जिसमे मंडल रेल प्रबंधक महोदय द्वारा सभी खिला?ियों का परिचय एवं विभाग कि जानकारी लेते हुए खेल गतिविधियों की जानकारी ली गई श्री संजीव कुमार, मंडल रेल प्रबंधक, अध्यक्ष, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे खेल संघ, रायपुर मंडल द्वारा सभी खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर संतोष व्यक्त किया साथ ही खिलाडियों के द्वारा खेल के लिए दिये गये सुझावों, जरूरतों और समस्याओं को बताया गया जिसे मंडल रेल प्रबंधक द्वारा तुरंत निराकरण कर दिया गया।श्री राहुल गर्ग, सीनियर स्पोर्ट्स ऑफिसर, मंडल कार्मिक अधिकारी (प्र), दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे खेल संघ, रायपुर मंडल द्वारा खिलाड़ियों को और अधिक मेहनत करने और रेल्वे का नाम रोशन करने के लिए प्रोत्साहित किया गया साथ ही खेल सुविधाओं को बढ़ाने के लियेआश्वस्त किया द्य सभी खिला?ियों ने मंडल रेल प्रबंधक महोदय एवं सीनियर स्पोर्ट्स ऑफिसर महोदय को धन्यवाद प्रेषित किया द्य

बी.टेक. और बी.टेक. (खाद्य प्रौद्योगिकी) पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु काउंसलिंग प्रारंभ

रायपुर (विश्व परिवार) । इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के बी.टेक. (कृषि अभियांत्रिकी) एवं बी.टेक. (खाद्य प्रौद्योगिकी) पाठ्यक्रम के शैक्षणिक सत्र 2024-25 में प्रवेश हेतु काउंसलिंग प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। इन पाठ्यक्रमों में पी.ई.टी. प्रवेश नियम 2024 के अनुसार मेरिट के आधार पर ऑनलाइन काउंसलिंग मे माध्यम से प्रवेश दिया जाएगा। फॉर्म भरने की प्रक्रिया सहित विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट 222.द्बद्दद्म1.ड्डष्.द्बठ्ठ पर उपलब्ध है। ऑनलाइन पंजीकरण और दस्तावेज अपलोड करने की प्रक्रिया 1 अगस्त 2024 से शुरू होकर 14 अगस्त 2024 को रात 12:00 बजे तक जारी रहेगी। इच्छुक अभ्यर्थी इस अवधि में अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। पंजीकृत उम्मीदवारों की मेरिट सूची 18 अगस्त 2024 को विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जारी की

जाएगी। सूची निम्नलिखित श्रेणियों में होगी - छत्तीसगढ़ के निवासियों के लिए पीईटी 2024 मेरिट सूची, छत्तीसग? के निवासियों के लिए जे.ई.ई. मेन्स 2024 मेरिट सूची, छत्तीसग? के निवासियों के लिए 12वीं (गणित समूह) मेरिट सूची, और अन्य राज्यों के उम्मीदवारों के लिए 12वीं (गणित समूह) मेरिट सूची।
काउंसलिंग की प्रक्रिया सुबह 09:00 बजे से शाम 05:00 बजे तक स्वामी विवेकानंद कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय, रायपुर में आयोजित की जाएगी। पी.ई.टी. 2024 योग्य उम्मीदवारों के लिए काउंसलिंग 20 अगस्त 2024 को आयोजित की जाएगी। इसके उपरांत जे.ई.ई. मेन्स 2024 के योग्य उम्मीदवारों के लिए 22 अगस्त 2024 को सुबह 09:00 बजे से शाम 05:00 बजे तक काउंसलिंग आयोजित की जाएगी। इसी तरह 12वीं (गणित समूह) के छत्तीसगढ़ के निवासियों के लिए काउंसलिंग 23 अगस्त 2024 को और अन्य राज्यों के 12वीं (गणित समूह) के उम्मीदवारों के लिए काउंसलिंग की प्रक्रिया 24 अगस्त 2024 को आयोजित की जाएगी।
अधिक जानकारी और अपडेट के लिए विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट 222.द्बद्दद्म1.ड्डष्.द्बठ्ठ पर या इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के प्रवेश कार्यालय (अधिष्ठाता कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय, रायपुर एवं अधिष्ठाता खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्याल, रायपुर) से संपर्क कर सकते हैं।

रायपुर स्टेशन पर लिफ्ट में व्यवधान कि घटना में सभी यात्रियों को सुरक्षित निकाला गया

रायपुर (विश्व परिवार) । रायपुर स्टेशन पर प्लेटफार्म नंबर 01 पर लिफ्ट में व्यवधान कि घटना में प्रथम दृष्टया यह पता चला कि लिफ्ट का ओवरलोडेड सेंसर ?राब था यात्रियों के लोड को सेंस नहीं कर पाया और लोडसेंसर फेल हो गया। रायपुर स्टेशन पर लगी लिफ्ट के अंदर 08 पैसेंजर एक साथ आ -जा सकते हैं । लिफ्ट में कुल 528 किलो वजन की क्षमता है। यात्रियों की संख्या लगभग 10 के आसपास क्षमता से अधिक और अत्यधिक समान होने के कारण लिफ्ट ओवर लोडेड होने से उक्त घटना घटित हुई। इस लिफ्ट का मासिक मेंटेनेंस 22 जुलाई 2024 को किया गया था।
घटना की जानकारी मिलते ही तुरंत स्टेशन पर उपस्थित वाणिज्य विभाग के वाणिज्य निरीक्षक यादव राम ध्रुव, ड्यूटी में तैनात महिला आरक्षी उमा के द्वारा शिफ्ट ऑफिसर सहायक उप निरीक्षक एस एस यादव को दिया, उक्त सूचना पाकर सहायक उप निरीक्षक एस एस यादव तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे एवं ऑपरेटिंग स्टाफ पंकज कुमार साहू, ट्रेन लाइटिंग स्टाफ विद्युत विभाग के संबंधित कर्मचारियों द्वारा लिफ्ट व्यवधान में फंसे यात्रियों का रेस्क्यू किया उन्हें सुरक्षित रूप से लिफ्ट का कांच खोलकर बाहर निकल गया उक्त घटना में किसी भी यात्री को किसी भी तरह चोट नहीं आई एवं किसी भी तरह की जनहानि नहीं हुई । लिफ्ट में फंसे सभी यात्रियों को सुरक्षित रेस्क्यू किया गया सभी यात्री ट्रेन से अपने गंतव्य की ओर रवाना हो गये । किसी भी यात्री को चिकित्सकीय सहायता की आवश्यकता नहीं पड़ी । वरिष्ठ सेक्शन इंजीनियरों द्वारा विभागीय जांच की गई।

विद्युत उपकेन्द्र निर्माण में लापरवाही, 2 ठेकेदार ब्लैकलिस्टेड, 33 को कड़ी चेतावनी

रायपुर (विश्व परिवार) । छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज के अध्यक्ष पी. दयानंद ने आज विद्युत अधोसंरचना विकास से संबंधित कार्यों की समीक्षा की। जिन संस्थाओं द्वारा लंबे समय से कार्यों में लापरवाही की जा रही है और जिनके कारण निर्धारित समय सीमा में कार्य नहीं हो पा रहे हैं ऐसी 2 संस्थाओं को तीन वर्षों की लिए ब्लैकलिस्टेड किया गया। एक संस्था के निवेदन पर उसे कार्य पूर्ण करने के लिए 3 माह का समय दिया गया यदि इस समयावधि में उन्होंने कार्य पूरा नहीं किया तो उन्हें भी ब्लैकलिस्टेड कर दिया जाएगा। इसके अलावा 32 संस्थाओं को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। श्री दयानंद ने क? तेवर दिखाते हुए चेतावनी दी कि विद्युत विकास कार्यों में कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।
श्री दयानंद ने आज छत्तीसगढ़ स्टेट ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक राजेश कुमार शुक्ला, छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री भीमसिंह कंवर तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में रीवैम्प्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम (आर.डी.एस.एस.), प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान

(पी.एम. जनमन) तथा मुख्यमंत्री विद्युत अधोसंरचना विकास योजना की समीक्षा की। उन्हें आर.डी.एस.एस. योजना के अंतर्गत विकास कार्यों को जल्दी से जल्दी पूरा करने के लिए उन्होंने समस्त संस्थाओं के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने पी.एम. सूर्यघर बिजली योजना को लोकप्रिय तथा लोगों की पहुंच में लाने के लिए उठाए जाने वाले कदमों की जानकारी ली तथा इसके लिए विस्तृत कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए। उन्हें बताया गया कि 33/11 के.वी. उपकेंद्रों तथा लाइनों के निर्माण का कार्य संबंधित ठेकेदारों की लापरवाही के कारण पूरा नहीं हो पा रहे हैं। इसे देखते हुए जशपुर जिले के सोनक्यारी एवं कुड़ेकेला 33/11 केवी उपकेंद्र के निर्माण कार्य में कोताही के लिए जिम्मेदार संस्था मेसर्स एनकेजेए एंड डेवलपर्स इन्फा रायपुर को तीन वर्षों के लिए ब्लैकलिस्टेड किया गया। इनका कार्य 4 मार्च, 2024 तक पूर्ण हो जाना था लेकिन बहुत कम कार्य किया गया है। जशपुर जिले में अंकिरा से गंजियाडीह के बीच लाईन निर्माण के कार्य में लापरवाही करने वाले मेसर्स सुरेंद्र राठौर को भी ब्लैकलिस्टेड करते हुए उनकी अमानत राशि राजसात करने के निर्देश दिये गये। इसी तरह सरगुजा जिले के चंगोरी 33/11 केवी उपकेंद्र का ठेका लेने वाली संस्था मेसर्स धनंजय कुमार तिवारी द्वारा 24 दिसम्बर 2023 को कार्य पूर्ण किया जाना था, उन्होंने मात्र 40 प्रतिशत काम किया है। इन्हें भी ब्लैकलिस्टेड किया जा रहा था लेकिन इन्होंने तीन माह का समय मांगा है। तीन माह में कार्य पूर्ण नहीं किये जाने पर इन्हें भी ब्लैकलिस्ट किया जायेगा।
श्री दयानंद ने पीएम जनमन योजना के तहत 7 हजार 77 घरों में बिजली कनेक्शन देने का कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा है कि सरकार की योजनाएं व्यापक जनहित के लिए होती है। यदि उनका लाभ सही समय पर संबंधित क्षेत्र की जनता को नहीं मिल पाये तो यह लापरवाही वे बर्दाश्त नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने सुशासन पर जोर देते हुए जनहित के कार्यों को तेजी से पूर्ण करने के निर्देश दिये हैं जिससे लोगों को जल्दी से जल्दी न्याय मिल सके और उनके विकास के रास्ते आसान हो सके।

शास्त्री बाजार व्यवस्थापित परिसर में दुकानों के प्रक्रिया आबंटन शुरू

रायपुर(विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम रायपुर ने शास्त्री बाजार के पास नवनिर्मित व्यवस्थापित परिसर में दुकानों के आबंटन की प्रक्रिया शुरु कर दी है। इस संबंध में जारी निविदा के अनुसार निर्मित कुल 84 दुकानों का आबंटन किया जा रहा है। इसके लिए नगर निगम मुख्यालय के बाजार विभाग या वेबसाइट पर विस्तृत जानकारी उपलब्ध है। दुकानों के आबंटन की अंतिम तिथि 21 अगस्त 2024 निर्धारित है। निर्मित परिसर में 84 दुकानें निर्मित है, जिनमें अनुसूचित जाति के लिए 11 दुकान, अनुसूचित जनजाति के लिए 04 दुकान, अन्य

पिछ?ा वर्ग के लिए 13 दुकान, विधवा/परित्यक्तता के लिए 03 दुकान, दिव्यांग के लिए 02 दुकान, भूतपूर्व सैनिक के लिए 02 दुकान, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के लिए 02, शिक्षित बेरोजगार के लिए 04, महिलाओं के लिए 08, तृतीय लिंग के लिए 02 दुकानें आरक्षित रखी गई है। इसके अलावा 33 दुकानें अनारक्षित श्रेणी की है।इच्छुक व्यक्ति या फर्म अपनी दुकान प्राप्त करने नगर निगम मुख्यालय, बाजार विभाग अथवा नगर निगम रायपुर की वेबसाइट पर विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते है।

राज्यपाल रमेन डेका ने किया राजभवन का निरीक्षण

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने आज राजभवन का निरीक्षण किया। उन्होंने सचिवालय की विभिन्न शाखाओं का अवलोकन किया और जानकारी ली। श्री डेका ने राजभवन के दरबार हॉलए सभाकक्षए निवास कार्यालय सहित विभिन्न कक्षों का निरीक्षण किया और आवश्यक दिशा.निर्देश दिए। इस अवसर पर उप सचिव श्रीमती हिना अनिमेष नेताम एवं राजभवन के अन्य अधिकारी.कर्मचारी उपस्थित थे।

श्रीमती लता गिरेपुंजे का निधन

रायपुर । रायपुर प्रेस क्लब की कार्यालय सहयोगी श्रीमती लता गिरेपुंजे 59 वर्ष का आज अकास्मिक निधन हो गया है। उनका अंतिम संस्कार आज शाम दिनांक 06.08.2024 को 04.00 बजे मारवाड़ी श्मशान घाट किया गया। वे हिना गिरेपुंजे की माता थी। प्रेस क्लब अध्यक्ष प्रफुल्ल ठाकुर, महासचिव डॉ वैभव शिव पाण्डेय, उपाध्यक्ष संदीप शुक्ला, कोषाध्यक्ष रमन हलवाई, संयुक्त सचिव तृप्ति सोनी, अरविंद सोनवानी सहित सभी कार्यकारिणी सदस्यों ने एवं सभी सदस्यों ने गहरा दु:ख व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की है।

दैनिक विश्व परिवार से जुड़ें...

छत्तीसगढ़ के सबसे विश्वसनीय दैनिक समाचार पत्र एवं वेबसाइट **''दैनिक विश्व परिवार''** से जुड़े और पाए अपनी खबरों को प्रकाशित कराने अवसर।

''दैनिक विश्व परिवार'' दे रहा है सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में युवा एवं प्रतिभावान पत्रकारों को मौका अपने जिले की हर खबर को प्रमुखता से प्रकाशित कराने का अवसर।

साथ ही छत्तीसगढ़ के समस्त जिले, विधानसभा, ब्लॉक स्तर पर रिपोर्टरों और विज्ञापन प्रतिनिधि की आवश्यकता है। अपनी खबरों को **''दैनिक विश्व परिवार''** के माध्यम से जनता तक पहुंचाए। हमसे जुड़ने के लिए निचे दिए गए नंबर पर करे अपनी खबरे साजा।

सम्पर्क : 99810-93065, 62662-63552

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा मे. विश्व परिवार इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं.-421 सेक्टर-सी, सड़क नं.-7 उरला इंडस्ट्रीयल एरिया उरला, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354